अफ्रीका से चला खतरनाक एमपॉक्स की मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत सरकार भी अलर्ट मोड पर है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने बांग्लादेश और पाकिस्तान हवाई अड्डों बंदरगाहों और सीमाओं पर अधिकारियों को एहतियात बरतने के निर्देश दे दिए हैं।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:249 दिनांक:20-08-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

नई दिल्ली में सोमवार को रक्षाबंधन त्यौहार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्कूली छात्राओं ने राखी बांधी।

सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण को लेकर दिए गए फैसले के खिलाफ 21 को भारत बंद का ऐलान, हिंसा भड़कने की आशंका

लखनऊ (ईएमएस)। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के विरोध में दलित संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। दलित संगठनों ने 21 अगस्त को इस फैसले के खिलाफ भारत बंद का आव्हान किया है। वहीं भारत बंद को बहुजन समाज पार्टी का भी समर्थन मिल गया है। बसपा की ओर से सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं को भारत बंद में शामिल होने की अपील की गई है। बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने बताया कि बहन जी ने सुप्रीम कोर्ट के उप वर्गीकरण के फैसले का पुरजोर विरोध किया है। वहीं बंद के दौरान प्रदेश में हिंसा भड़कने की आशंका को लेकर इंटेलिजेंस द्वारा दिए इनपुट के बाद दो दिन पहले पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर प्रदेश के समस्त कमिश्नर, आईजी, डीएम और एसपी के साथ बैठक की है।

दरअसल बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी-एसटी में उपवर्ग बनाने का अधिकार राज्यों को दे दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने के लिए भी कहा है। कोर्ट के इस फैसले का बसपा सुप्रीमो मायावती समेत तमाम नेता विरोध कर रहे हैं। अब कोर्ट के इस फैसले को लेकर भारत बंद का आव्हान किया गया है। 21 अगस्त को होने वाले भारत बंद के समर्थन में बसपा सुप्रीमो खुलकर सामने आ गई है। इस संबंध में बसपा नेता सतीश चंद्र मिश्रा समेत तमाम पार्टी के नेताओं को पोस्ट किया है।

पार्टी महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बहन जी के दिशा निर्देश के अनुसार बीएसपी के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं से अपील है कि बसपा के नीला झंडा और हाथी निशान के तहत 21 अगस्त को होने वाले भारत बंद में शामिल हो। साथ ही जनता को खास कर दलित, शोषित, वंचित, अल्पसन्यक एवं न्याय पसंद लोगो तक उप वर्गीकरण के बारे में जागरूक करे। उन्होंने कहा कि बसपा के सभी कार्यकर्ता अनुशासित एवं संवैधानिक तरीक़े से बड़ी संख्या में भारत बंद में शामिल हो यह पार्टी की अपील है। जय भीम, जय भारत।

वहीं इस मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे व पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। आकाश ने पोस्ट में लिखा कि आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एससी-एसटी समाज में काफी गुस्सा है। फैसले के विरोध में हमारे समाजने21अगस्त को भारत बंदका आह्वान किया है। आकाश ने पोस्ट के जरिये बताया कि हमारा समाज शांतिप्रिय समाज है। हम सबका सहयोग करते हैं। सबके सुख-दुख में हमारा समाज शामिल होता है। लेकिन आज हमारी आजादी पर हमला किया जा रहा है।21अगस्तकोइसका शांतिपूर्ण तरीक़े से करारा जवाब देना है।

वहीं, भीम सेना का पर्चा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें कहा गया है कि भारत बंद के दौरान आम जनता को घरों से बाहर निकलने की कोई अनुमति नहीं है, केवल भीम सैनिक बाहर निकलकर भारत बंद पर नजर रखेंगे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इसके अलावा इस दौरान प्रदेश में हिंसा भड़कने की आशंका को लेकर इंटेलिजेंस द्वारा दिए इनपुट के बाद दो दिन पहले पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर प्रदेश के समस्त कमिश्नर, आईजी, डीएम और एसपी के साथ बैठक की है।

दरअसल, एससी और एसटी को दिये गये आरक्षण में क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर करने के फैसले के विरोध में सोशल मीडिया पर कैंपेनिंग शुरू हो गई है। वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मीटिंग में शामिल किया गया। प्रमुख सचिव गृह और डीजीपी ने मीटिंग को लीड किया। सभी जिलों के अधिकारियों को 21 अगस्त को होने वाले प्रदर्शनों को लेकर तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। पश्चिमी यूपी को ज्यादा संवेदनशील मानकर वहां पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक इंटेलिजेंस ने इस आंदोलन की जानकारी शीर्ष अधिकारियों को दी है। बताया गया कि आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में चन्दौली में भीम आर्मी के अध्यक्ष शेरू निगम, कानपुर देहात में भारत मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष रमर कटेरिया, मेरठ में बहुजन जनता दल (खोडावाल) के अध्यक्ष अतुल खोडावाल, मैनपुरी दि बुद्धिष्ट सोसायटी आफ इण्डिया के अध्यक्ष विपिन बौद्ध के नेतृत्व में भारी संख्या में लोग सड़क पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आंदोलन का स्वरूप काफी व्यापक होगा। इस दौरान तोड़फोड़, आगजनी से इंकार नहीं किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो पूरे प्रदेश में हिंसा भड़क सकती है। इसलिए सभी जिलों के अधिकारियों को कहा गया है किआंदोलन को पैदलमार्च, ज्ञापन तक सीमित दायरे में रखने की तैयारी कर लें।

भारत में तेजी से बढ़ रहा एमपॉक्स का खतरा, एयरपोर्ट और सीमा पर अलर्ट

नई दिल्ली। खतरनाक एमपॉक्स यानी मंकीपॉक्स ने अब भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में दस्तक दे दी है। ऐसे में इसने भारत के लिए भी चिंता पैदा कर दी है। इसके मद्देनजर केंद्र ने बांग्लादेश और पाकिस्तान हवाई अड्डों, बंदरगाहों और सीमाओं पर अधिकारियों को आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को लेकर सतर्क रहने को कहा है। साथ ही सरकार ने अस्पतालों को मरीजों के लिए आइसोलेशन वार्ड तैयार करने को कहा गया है। अब आपको हम 10 प्वाइंट में मंकीपॉक्स को लेकर की गई तैयारियों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

एमपॉक्स रोगियों का अलग से इलाज करने के लिए दिल्ली में तीन सरकारी अस्पतालों को प्रमुख सुविधाओं के रूप में चुना गया है। इन तीन अस्पतालों में राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल के नाम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने जल्द पता लगाने के लिए बढ़ी निगरानी के बीच एमपॉक्स के लिए देश की तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार को एक बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्र ने सभी राज्यों से एमपॉक्स मामलों से निपटने के लिए अस्पतालों को तैयार रखने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि इन अस्पतालों को नोडल केंद्र के रूप में नामित किया जाना चाहिए और इसकी जानकारी जनता को दी जानी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल देश से एमपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि आकलन के अनुसार, निरंतर संचरण के साथ इसके फैलना का खतरा कम है। इस बार का वायरस स्ट्रेन अलग है और अधिक जहरीला और संक्रामक है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक अधिकारी के हवाले से बताया, लेकिन मौजूदा आकलन के अनुसार, देश में निरंतर प्रसारण के साथ बड़े प्रकोप का जोखिम कम है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि परीक्षण प्रयोगशालाओं का नेटवर्क बीमारी के शीघ्र इलाज के लिए तैयार है। वर्तमान में, देश में 32 प्रयोगशालाएं एमपॉक्स परीक्षण के लिए रखी गई हैं।

लैटरल भर्ती प्रक्रिया का मुद्दा आरक्षण से जुड़ा बैकडोर एंट्री को संघ और आरक्षण से जोड़कर, विपक्ष का बवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के 45 पदों के लिए लैटरल भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्ति करने का जो विज्ञापन जारी किया गया है। उसको लेकर देश भर में बवाल मच गया है। जम्मू कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। कुछ ही महीनों के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होना है। आरक्षण एक संवैधानिक प्रक्रिया है। संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका किस तरह से काम करेगी। इसका उल्लेख संविधान में किया है। संविधान के अंतर्गत ही वँचित वर्गों को आरक्षण दिया जा रहा है। सरकार पिछले दरवाजे से कार्यपालिका में मनमाने तरीके से बिना आरक्षण और बिना प्रक्रिया के नियुक्ति करने जा रही है। इसका भारी विरोध देशभर में शुरू हो गया है।

अखिल भारतीय सेवा के 20 फीसदी पद वर्तमान में रिक्त पड़े हुए हैं। सरकार इन पदों को नहीं भर रही है।विपक्ष का आरोप है,अखिल भारतीय सेवा के लिए 15106 पद स्वीकृत हैं। इसमें से 2944 पद कई वर्षों से रिक्त पड़े हुए हैं। कई वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा अखिल भारतीय सेवा के पदों की समीक्षा नहीं की गई है।बढ़ती हुई आबादी और बढ़ते हुए जिलों के हिसाब से अखिल भारतीय सेवा के पदों की वृद्धि होनी चाहिए थी, जो नहीं हुई है।

2018 से केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के पदों को लेटरल प्रवेश के माध्यम से भरने की प्रक्रिया शुरू की गई है। 63 पदों पर सीधी भर्ती 2018 में की गई है। इस बार 45 पदों के लिए पुनः नियुक्ति निकाली गई है। इस पर विपक्ष के सभी राजनीतिक दल बिफर गए हैं। विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है।

बसपा प्रमुख मायावती, लोजपा के चिराग पासवान ने भी इस प्रक्रिया पर विरोध जताया है।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के लोगों को कार्यपालिका में लाया जा रहा है। संविधान का उल्लंघन किया जा रहा है।एससी,एसटी और ओबीसी वर्ग का हक छीना जा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आंदोलन शुरू करने की बात कही है।भारत में जब चार राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे समय पर यह मुद्दा काफी गरमा गया है।सरकार ने बैठे बिठाये विपक्ष को एक नया मुद्दा दे दिया है।

फिक्की और केपीएमजी की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत गोला-बारूद निर्माण में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिक्की और केपीएमजी की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत गोला-बारूद निर्माण में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की क्षमता और रणनीतिक प्रगति के बारे में बताया गया है। इसमें बताया गया है कि भारत के पास दुनिया में तेजी से बढ़ते हथियार बाजार पर कब्जा करने की क्षमता है। एम्मो इंडिया 2024 रिपोर्ट में गोला बारूद निर्माण क्षेत्र में बढ़ते अवसर को रेखांकित किया गया है। भू-राजनीतिक संघर्ष, सैन्य खर्च में वृद्धि और बढ़ते विद्रोह ने दुनिया में सैन्य खर्च को तेजी से बढ़ाया है। इसने वैश्विक हथियार बाजार में भारतीय कंपनियों के लिए मौके बढ़ गए हैं।

एम्मो इंडिया 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक गोला-बारूद बाजार के सालाना 3.95 प्रतिशत की दरसेबढ़ते हुए साल 2032 तक 1,84,092 करोड़ (22 अरब डॉलर) तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत के घरेलू हथियार उद्योग की इस विकास पथ में महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है। साल2023में गाला-बारूद की वैश्विक मांग 1,29,260 करोड़ रुपये (15.5 अरब डॉलर) आंकी गई थी। इसमें भारी कैलिबर गोला-बारूद का हिस्सा सबसे ज्यादा 53.4 प्रतिशत था। इसके बाद ग्रेनेड, माइंस और मोर्टार की 23.27 प्रतिशत और मध्य कैलिबर की हिस्सेदारी 12.84 प्रतिशत थी।

भारतीय गोला-बारूद बाजार तेजी से बढ़ने की राह पर है। गोला-बारूद बाजार में पर्याप्त वृद्धि को देखते हुए साल 2032 में इसके बाजार का मूल्य 7,057 करोड़ रुपये (84.4 करोड़ डॉलर) होगा, जो वैश्विक गोला-बारूद उद्योग का लगभग 5.5ज्ञ है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2023-2032 की अवधि में बाजार 4.93ज्ञ की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 11,981 करोड़ रुपये (1.4 अरब डॉलर) हो जाएगा।

भारतीय गोला-बारूद उद्योग पर पारंपरिक रूप से सरकारी स्वामित्व वाली संस्थाओं जैसे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का दबदबा रहा है। अपने महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद इन संगठनों को पुरानी तकनीक, अक्षमताओं और आपूर्ति श्रृंखला बाधा जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इससे मांगों को पूरा करने की उनकी क्षमता को सीमित किया है। रक्षा उत्पादन में उदारीकरण नीतियों और मेक इन इंडिया जैसी पहलों ने निजी क्षेत्र की भागीदारी को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों खिलाड़ियों से निवेश में उछाल देखा गया है। गोला बारूद हथियार तीन मुख्य श्रेणियों में बंटा हुआ है।

21 से 23 अगस्त तक विदेश यात्रा पर होंगे PM मोदी

नई दिल्लीः ऐसे समय जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर क्षेत्रीय तनाव और बढ़ने के आसार हैं, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर जाने को तैयार हैं। पीएम मोदी 21-22 अगस्त को पोलैंड और 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा पर होंगे।

वह 45 वर्षों बाद पोलैंड की यात्रा पर जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे, जबकि फरवरी, 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन जाने वाले गिने चुने वैश्विक नेताओं में होंगे। मोदी की यूक्रेन यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है, खास तौर पर तब जब रूस की सेना ने वहां के कुछ नए क्षेत्रों में अपनी फौज भेजना शुरू कर दिया है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा है कि पीएम मोदी की कीव यात्रा का मकसद रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करना नहीं है। लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ उनकी बैठक में मौजूदा तनाव का मुद्दा उठेगा।

विमान में यात्रियों से भिड़ गई महिला, सहयात्रियों को लात-घूंसे से पीटा,

पुणे(ईएमएस)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डे पर एक महिला विमान में सहयात्रियों से भिड़ गई। जब क्रू मेंबर्स ने बीच बचाव किया तो महिला ने लातघूंसों से सभी को पीटना शुरू कर दिया।हंगामारोकनेवहां पहुंची सीआई एसएफ कर्मी को भी महिला ने थप्पड़ जड़ दिया जिसके बाद उसे विमान से नीचे उतार दिया गया। अब महिला के खिलाफ पुलिस ने केस भी दर्ज किया है।

यह घटना लोहगांव हवाई अड्डे पर शनिवार की सुबह करीब 7: 45 बजे हुई थी। पुणे से दिल्ली जाने वाली निजी एयरलाइंस की उड़ान6ˆ5261 में बोर्डिंग के दौरान महिला की अन्य यात्रियों और एयरलाइंस के कर्मचारियों के साथ हिंसक झड़प हो गई जिसके बाद उसे विमान से उतार दिया गया।

झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव क्यों नहीं, खुलासा होने पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल?

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा में चुनाव की अधिसूचना जारी की है। झारखंड,महाराष्ट्र तथा 46 सीटों के विधानसभा के उपचुनाव कराने की घोषणा नहीं की थी। जबकि हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव पिछले कई बार से हमेशा एक साथ होते रहे हैं। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में जो विधायक सांसद चुन गए थे। उन्होंने अपने इस्तीफा दे दिए थे। 40 विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होना था। उसमें सर्वाधिक उत्तर प्रदेश के 10 विधानसभा क्षेत्र में चुनाव होने थे। असम,बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों में भी विधायक पद के लिए उपचुनाव नहीं कराए गए।

पत्रकारों द्वारा सवाल किए जाने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था। बाढ़ की स्थिति होने के कारण चुनाव नहीं कराए गए हैं। झारखंड में उन्होंने बाढ़ की आशंका जताई थी। वहीं महाराष्ट्र में उन्होंने तीज त्योहार और अन्य कारणों से चुनाव नहीं कराने की बात कही थी।

हाल ही में झारखंड राज्य के चंपई की बगावत की खबरें सामने आ रही हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री हैं। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद वह झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे। अब वहां पर दलबदल की कोशिश शुरू हो गई है। वह अपने साथ 6 विधायकों को लेकर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा शर्मा ने झारखंड में जाकर जब पत्रकारों से कहा 2 महीने पहले असम में बाढ़ आई थी। बिहार, झारखंड,असम में कहीं बाढ़ नहीं है। हेमंत असम के मुख्यमंत्री हैं, वहां पर भी उपचुनाव होने थे। उनके यह कहने से स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में जिस तरह विधानसभा चुनाव के पूर्व लोटस अभियान शुरू किया गया है। शायद इसलिए वहां पर चुनाव की घोषणा नहीं की गई है।

विपक्षी दल अब चुनाव आयोग पर सीधे-सीधे निशाना साथ रहे हैं। वह सरकार के इशारे पर ही चुनाव कराते हैं। चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नहीं हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन मैं शामिल राजनीतिक दल झारखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की राजनीतिक घटनाओं को देखते हुए आरोप लगा रहे हैं। वहां पर चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। वहां पर अभी भाजपा के लिए अनुकूल स्थिति नहीं थी। इसलिए चुनाव आयोग ने चुनाव टाल दिए हैं।

चुनाव आयोग जिस तरह से विपक्षी दलों के निशाने पर हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा शर्मा ने जिस तरह से असम, बिहार और झारखंड में 2 महीने पहले बाढ़ की बात कहकर, चुनाव आयोग राजीव कुमार की बातों को झुठला दिया है। इससे आगे चलकर चुनाव आयोग को जवाब देना मुश्किल होगा। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर निशाना साधा जा रहा है।

अब हरियाणा में लेडी डॉक्टर का हुआ अपहरण, चंडीगढ़ ले जाकर पीटा

रोहतक(ईएमएस)। कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था हरियाणा में एक और डरा देने वाली घटना हुई है। पीजीआइ एमएस रोहतक की एक मेडिकल छात्रा का सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर ने अपहरण कर लिया और फिर चंडीगढ़ ले जाकर उसके मारपीट की। पीडित छात्रा को पीजीआईएमएस में ही भर्ती कराया गया है। वहीं, हेल्थ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने आरोपी रेजीडेंट डॉक्टर को संस्थान से निलंबित कर दिया है और उसके पीजीआईएमएस परिसर में घुसने पर रोक लगा दी है। वहीं पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

पीजीआईएमएस की मेडिकल छात्रा का कहना है कि 16 अगस्त की शाम को संस्थान के रेजीडेंट डॉक्टर मनिंदर कौशिक ने उसका कार में अपहरण कर लिया। फिर वह उसे रात को अंबाला और चंडीगढ़ घुमाता रहा। 17 अगस्त को दोपहर करीब साढे 3 बजे उसे रोहतक वापस लेकर आया। इस दौरान चंडीगढ़ में उसके मारपीट की गई। अपने साथ हुई इस घटना से यह मेडिकल छात्रा सदमे में है। इस घटना की जानकारी पीजीआईएमएस प्रशासन को दी गई। छात्रा को पीजीआईएमएस में ही दाखिल करा दिया गया है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ वरूण अरोड़ा ने रविवार देर शाम को बयान जारी कर कहा कि संस्थान हर महिला कर्मचारी, महिला रेजीडेंट डॉक्टर और छात्रा की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। इसी के चलते हेल्थ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस मामले को लेकर कड़ा संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता महिला डॉक्टर रेप-मर्डर मामले में लिया स्वतः संज्ञान, आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की तीन सदस्यीय पीठ इस मामले पर मंगलवार 20 अगस्त को सुनवाई करेगी। पीठ में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पादरीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं।

गौरतलब है कि इस मामले में इससे पहले ही सुप्रीम कोर्ट के दो वकीलों ने सीजेआई को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने सीजेआई से कोलकाता महिला डॉक्टर मर्डर मामले पर स्वतः संज्ञान लेने की बात कही थी। पत्र में कहा गया था कि यह मामला केवल एक निर्दोष जीवन का उल्लंघन नहीं है, यह हमारे राष्ट्र की आत्मा पर हमला है, न्याय और मानवता के आदर्शों का अपमान है,जिसे हमारा महान संविधान कायम रखता है जिस क्रूर तरीके से इस युवा जीवन को ख़त्म कर दिया गया, उसने हमारे राष्ट्र की सामूहिक चेतना को झकझोर कर रख दिया है। एक होनहार डॉक्टर, जिसने अपने को लोगों की जान बचाने के कर्तव्य के लिए समर्पित कर दिया था। उसी परिसर में क्रूरतापूर्वक दुर्व्यवहार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, जहां उसने मानवता की सेवा कर रही थी।

इस मामले में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टर की हड़ताल रविवार को भी जारी रही। सरकारी अस्पतालों में रविवार को ओपीडी बंद रहने से मरीजों की भीड़ कम रही, लेकिन वरिष्ठ डॉक्टरों ने आपातकालीन विभाग में सेवाएं जारी रखीं। एक प्रदर्शनकारी डॉक्टर ने कहा कि हम स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करने के पक्ष में नहीं हैं। हम मरीजों की परेशानियों को समझ सकते हैं, लेकिन डयूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ ऐसी घटना के संदर्भ में हमारा विरोध बहुत प्रासंगिक है।

एक ने पकड़ा दूसरे ने आंख में पट्टी बांधी, तीन दिन तक करते रहे गैंगरेप

बोकारो (ईएमएस)। बालीडीह थाना क्षेत्र में महिला इंडस्ट्रियल एरिया में दुकान चलाती है। दुकान बंद कर घर लौट रही 22 वर्षीय आदिवासी महिला को अगवा कर तीन दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म किया गया। दरिंदों के चंगुल से मुक्त हुई महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां स्थिति नाजुक बनी है। पीड़िता से मिली जानकारी व हुलिया के आधार पर पुलिस चार संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। चारों इंडस्ट्रियल एरिया की फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर हैं, जो महिला की दुकान पर अक्सर शराब (देसी) का सेवन करने जाया करते थे। हिरासत में लिए गए एक संदिग्ध का पीड़ित महिला के पारिवारिक सदस्य से पुरानी रंजिश भी थी।

महिला इंडस्ट्रियल एरिया में दुकान चलाती है। 15 अगस्त शाम दुकानदारी खत्म करने के बाद दुकान बंद कर वह पैदल अपने घर लौट रही थी। इस क्रम में कार सवार चार नकाबपोश अपराधियों ने अपहरण कर लिया। आंख पर पट्टी बांधकर महिला को एक बंद कमरे में ले गए, जहां दरिंदगी की गई।

यहां तीन दिनों तक महिला के साथ दुष्कर्म करते रहे। महिला के पति ने खोजबीन के बाद 17 अगस्त को पत्नी की गुमशुदगी की लिखित शिकायत की। थानेदार नवीन कुमार सिंह ने टीम गठित कर महिला की तलाश शुरू की। आरोपियों ने महिला को 17 अगस्त की रात मुक्त कर दिया। बालीडीह पुलिस ने जांच के लिए फोरेंसिक टीम की मदद ली है। महिला के कपड़े व शरीर के ऊपर खरोंच से मिले खून के नमूनों को संग्रहित किया गया है। इसके अलावा मेडिकल जांच की अनुशंसा की गई है। इंस्पेक्टर ने कहा कि घटना में मिले सबूत, स्पष्ट चार्जशीट फॉरेंसिक व मेडिकल रिपोर्ट के साथ मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाया जाएगा।

पुरानी कार चलाने का है शौक तो भरना होगा ग्रीन टैक्स

चंडीगढ,(ईएमएस)। पंजाब सरकार ने पुराने वाहनों को लेकर कदम उठाया है। सरकार ने कहा कि पुराने वाहन चला सकते हैं लेकिन उसके लिए वाहन मालिक को ग्रीन टैक्स चुकाना होगा। केंद्र सरकार की 2021 की स्क्रैप पॉलिसी के बावजूद, जो वाहन 15 साल पुराने हैं और प्रदूषण फैलाते हैं, उन्हें अब ग्रीन टैक्स देना होगा। पिछले एक साल से इस बारे में विचार किया जा रहा था। वाहन मालिकों ने इसका विरोध किया था, उनका कहना था कि यह नीति वाहन कंपनियों के फायदे के लिए बनाई गई है।

चुनाव प्रचार के दौरान वाहन मालिकों ने पंजाब के सीएम भगवंत मान से इस नीति को लागू नहीं करने की मांग की थी। सीएम ने आश्वासन दिया था कि यह नीति पंजाब में लागू नहीं होगी लेकिन अब सरकार ने इसका नया समाधान खोजा है। इस नए समाधान में अगर कोई 15 साल पुराना वाहन चलाना चाहता है, तो उसे पहले वाहन का नया रजिस्ट्रेशन करना होगा और ग्रीन टैक्स भरना होगा। इसके बाद वह वाहन पांच साल तक सड़क पर चला सकेगा।

ग्रीन टैक्स लगाने का सरकार का मकसद है पुराने वाहनों को सड़कों से हटाया जाए ताकि प्रदूषण कम हो सके। जब लोगों को ग्रीन टैक्स देना पड़ेगा, तो वे नए और कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहन खरीदने के लिए तैयार होंगे। यदि कोई व्यक्ति पुराना वाहन नहीं बदलना चाहता है, तो उसे ग्रीन टैक्स चुकाना होगा। इससे सरकार को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, जो सरकार के आय स्रोत को बढ़ाएगी।

इसके अलावा सरकार ने टूरिस्ट वाहनों पर लगने वाला मोटर व्हीकल टैक्स भी घटा दिया है। पहले 65 सीटों वाली टूरिस्ट बस के लिए प्रति सीट सात हजार रुपए टैक्स था। अब साधारण बस पर प्रति सीट दो हजार पचास रुपए, डीलक्स नॉन-एसी बस पर दो हजार छह सौ पचास रुपए, एसी डीलक्स बस पर चार हजार एक सौ पचास रुपए और सुपर इंटीग्रल बस पर पांच हजार रुपए टैक्स देना होगा। टैक्स ज्यादा होने की वजह से बस ऑपरेटर पंजाब में बसें रजिस्टर्ड नहीं करवा रहे थे। 2017 से 2022 तक के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब में 206 पर्यटक बसें रजिस्टर्ड थीं, जबकि हरियाणा में 5,220 बसें थीं। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे पर्यटन वाले राज्यों में बसों की ज्यादा रजिस्ट्रेशन के बावजूद पंजाब में कम बसों की रजिस्ट्रेशन देखी गई।

नेशनल पार्क काजीरंगा में फाइव स्टार होटल बनाने के विरोध में उतरे आदिवासी यूनेस्को ने दी चेतावनी

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में फाइव स्टार होटल बनाने के लिए असम सरकार ने जमीन आवंटित की है। इसके लिए आदिवासियों की जमीन को अधिग्रहित किया जा रहा है। जिसका विरोध यहां के आदिवासी कर रहे हैं।

असम सरकार और ताज समूह के बीच में समझौता पत्र हस्ताक्षरित किया गया है। असम सरकार ने दावा किया है, 120 करोड रुपए के इस प्रोजेक्ट से 200 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। असम के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

आदिवासियों का आरोप है, किसानों से जबरन भूमि अधिग्रहीत की जा रही है। जिस स्थान पर फाइव स्टार होटल बनाया जा रहा है। वहां पर बड़ी संख्यामें जंगली हाथियों का निवास स्थान है। सरकार का यह प्रोजेक्ट आदिवासियों के भूमि अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं काजीरंगा नेशनल पार्क में जहां जंगली जीवों का बड़ी संख्या में निवास है। यह उनके हितों के खिलाफ है।

इस प्रोजेक्ट का विरोध यूनेस्को की सलाहकार संस्था इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट और साइट्स ने भी,इस प्रोजेक्ट को लेकर चिंता जताई है। डॉ संजीव कुमार का कहना है, विश्व धरोहर स्थलों पर इस तरीके की परियोजनाओं को प्रतिबंधित किया गया है। काजीरंगा में होटल बनने से यहां के वन्य जीवों का जीवन प्रभावित होगा। यूनेस्को ने इस प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई है।यदि इस प्रोजेक्ट को चालू रखा गया। ऐसी स्थिति में यूनेस्को को, काजीरंगा विश्व धरोहर को संकटग्रस्त सूची में डालने के लिए विवश होना पड़ेगा। यदि ऐसा हुआ तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सहायता बंद कर दी जाएगी। यूनस्को की सूची से भी हटा दिया जाएगा।

अस्पताल में तोड़फोड़ करने वाले 37 उपद्रवी गिरफ्तार

कोलकाता,(ईएमएस)। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और फिर बेदर्दी हत्या किए जाने के विरोध में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। घटना के बाद ममता सरकार विपक्ष के साथ-साथ अपनों के निशाने पर भी हैं। वहीं इस रेप और हत्याकांड के बाद आरजी कर अस्पताल में हुई तोड़फोड़ मामले में भी गिरफ्तारियां हो रही हैं। अभी तक 37 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष चौथे दिन सीबीआई दफ्तर पहुंचे। सीबीआई उनसे मामले में पूछताछ कर रही है। वहीं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने स्वास्थ्य मंत्री और गृह म

जन हितैषी

सरकार बनाने और गिराने में पूंजीपतियों की भूमिका

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में पूंजीपतियों की भूमिका काफी बढ़ गई है। निर्वाचित सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त करके सरकार बनाने और बिगाड़ने का खेल पूंजीपति, राजनेताओं के साथ खेल रहे हैं। जब किसी भी राज्य में 10-15 विधायक बहुमत के लिए कम होते हैं। वहां पर पूंजीपतियों और राजनेताओं का यह खेल बड़ी आसानी के साथ हो जाता है। विधायकों को वर्ष 2000 के आसपास 1 से 2 करोड़ रुपया देकर विधायक खरीदने के आरोप लगते थे। दलबदल से बहुमत से सरकार बना ली जाती थी। जो उद्योगपति इसमें पैसा लगता था, उसके काम सरकार में प्राथमिकता से हो जाते थे। जब छोटे राज्य बनना शुरू हुए, उसके बाद से यह बीमारी लगातार बढ़ती ही चली गई। पहले उद्योगपति चुनाव के लिए राजनीतिक दलों को चंदा देते थे। जिस राजनीतिक दल की जो हैसियत होती थी। उसे उसके अनुसार उद्योगपति चंदा दे देते थे। चंदे के कारण राजनीतिक दलों के राजनेताओं के संबंध पूंजीपतियों से बेहतर होते थे। इस समय सरकार की नीतियों के विरुद्ध या विचारधारा को लेकर राजनीतिक दल कोई समझौता नहीं करते थे। जिसके कारण 1990 तक भारतीय राजनीति में राजनीतिक दलों की विचारधारा के आधार पर सांसदों और विधायकों का चुनाव होता था। जब छोटा राज्य बनना शुरू हुए, उसके बाद से पूंजीपतियों का सरकार बनाने और बिगाड़ने में नया खेल शुरू हो गया। 1989 के बाद केंद्र में कभी भी पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बनी। हमेशा जोड़-तोड़ करके 2014 तक सरकारें बनती और बिगड़ती रही हैं। 1990 के बाद केंद्र एवं राज्यों में सांसदों और विधायकों की खरीद फरोख्त में पूंजीपति घरानो का दबदबा बढ़ता चला गया। पूंजीपतियों की सहायता से पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहराव, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सरकार को स्थिर बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों को सांसद उपलब्ध कराने का काम पूंजीपति करते रहे हैं। 1990 के बाद रिलायंस समूह का उत्थान शुरू हुआ। धीरूभाई अंबानी ने प्रमोद महाजन को अपना तीसरा बेटा बताया। टेलीकॉम के क्षेत्र में प्रमोद महाजन की विशेष कृपा किसके साथ रही है। यह सारा देश जानता है। शेयर बाजार का हर्षद मेहता का घोटाला भी सभी को याद है। नरसिंहराव को अपनी सरकार बचाए रखने के लिए किसने अटैची से पैसे भेजे थे, उस समय यह भी बड़ा चर्चित आरोप रहा। राजनीतिक दलों की विचारधारा नेपथ्य में चली गई। बहुमत पाने के लिए संख्या बल महत्वपूर्ण हो गया। राज्यों में भी कुछ इसी तरह की स्थिति बनने और बिगड़ने लगी थी। 2014 के बाद केंद्र में पूर्ण बहुमत की मोदी सरकार 25 वर्ष बाद आई। उसके बाद राज्यों में उथल-पुथल शुरू हुई। पहले सरकारों को गिराने के लिए राष्ट्रपति शासन का उपयोग किया जाता था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जब यह संभव नहीं रहा। उसके बाद विधायकों की खरीद-फरोख्त करके राज्य सरकारों को अस्थिर कर नई सरकार का गठन हुआ। निर्वाचित प्रतिनिधियों को चुनाव जीतने के बाद बड़ी संख्या में दल-बदल कराकर राज्यों में सरकार बनाने का नया प्रयोग भारत में शुरू हुआ। जो अभी भी चल रहा है। इस प्रयोग में विधायकों को 5 करोड रुपए से लेकर 25-50 करोड रुपए तक देकर दल-बदल करने के आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। अब किसी भी राज्य सरकार को 100-200 करोड रुपए खर्च करके गिराया और बनाया जा सकता है। विचारधारा के आधार पर मतदाता अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। वह राजनीतिक दल के पक्ष में मतदान करते हैं। जब चुनाव परिणाम आ जाते हैं, उसके बाद निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी कीमत वसूल कर किसी भी दल में चले जाते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा पूंजीपति ही उठा रहे हैं। जब किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है। 2014 तक यह बीमारी ला इलाज नहीं हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में यह बीमारी कैंसर की तरह बड़ी तेजी के साथ फैल रही है। इसमें पूंजीपतियों की भूमिका भी अहम हो गई है। पिछले कुछ माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रोल बांड के बारे में जो फैसला दिया था। उसके बाद जो जानकारी सामने निकल कर आई है। वह आश्चर्यचकित करने वाली है। पूंजीपतियों द्वारा बड़ी मात्रा में राजनीतिक दलों को चंदा दिया गया। केंद्र में और राज्यों में जिन राजनीतिक दलों की सरकार थी। उन्हें सबसे ज्यादा चंदा इलेक्ट्रोरल बाण्ड मिला। ठेके और लाइसेंस भी उन्हें मिले, जिन्होंने राजनीतिक दलों को इलेक्ट्रोल बांड के जरिए चंदा दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह सच सामने आया। पिछले 10 सालों में जिस तरह से पूंजीपतियों की संपत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। गरीब और गरीब होता जा रहा है। एक तरह से भारत में भी पूंजीवादी देशों की तरह पूंजीपतियों के लिए नीतियां तैयार की जा रही हैं। उसके कारण अब केंद्र एवं राज्य सरकारों के खिलाफ जनता की नाराजी स्पष्ट रूप से सामने दिखने लगी है। यदि यही हाल आगे भी रहा, तो इसके भीषण परिणाम जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। भारत में महंगाई और बेरोजगारी दिनों-दिन बढ़ रही है। केंद्र, राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा आम नागरिकों के ऊपर टैक्स और शुल्क का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। गरीबों और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा टैक्स देना पड़ रहा है।गरीब एवं मध्यम वर्ग की बचत खत्म हो गई है। उल्टे यह वर्ग कर्ज में आ गया है।

देश में आत्महत्या के बड़े पैमाने में हो रही है। करोणों उच्च शिक्षित युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। सपने बहुत दिखाये गये। सपनों से भूख एवं न्यूनतम जरुरतें पूरी नहीं हो रही है। उच्चवर्ग अपनी रहीसी और ऐश्वर्य आराम के प्रदर्शन से निम्न एवं युवावर्ग को चिढ़ाने का काम कर रहा है। वर्तमान स्थिति में लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है, यह स्थिति चिंताजनक है।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा यानी देश का मान सम्मान

पड़ोसी देश बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख़ हसीना की आवामी लीग सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में व्यापक हिंसा हुई । वहां नौकरियों में विवादित आरक्षण व्यवस्था पर हुये राष्ट्रव्यापी विरोध तथा अपनी सरकार के विरुद्ध हुए व्यापक हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख़ हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर 5 अगस्त को भारत आ गई थीं। इस हिंसा के दौरान बांग्लादेश में आवामी लीग से जुड़े अनेक नेताओं सहित स्थानीय अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदू समुदाय के लोगों व उनके घरों व व्यवसायिक ठिकानों पर भी अनेक हमले हुए हैं। बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस नाम के एक ग़ैर - राजनीतिक हिन्दू संगठन के दावों के अनुसार पांच अगस्त को शेख़ हसीना सरकार के पतन के बाद से 48 ज़िलों में 278 स्थानों पर अल्पसंख्यक समुदाय को या तो हमलों अथवा धमकियों का सामना करना पड़ा है। निश्चित रूप से यह अत्यंत निंदनीय व गहन चिंता का विषय है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुये हमले की गंभीरता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि इसकी धमक संयुक्त राष्ट संघ में भी सुनाई दी है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल क़िले से अपने सम्बोधन में कहा कि ''बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंता होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे। 140 करोड़ देशवासियों की चिंता यह है कि वहां हिंदू, अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि ''भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चले। शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, हमारे संस्कार हैं। आने वाले दिनों में बांग्लादेश की विकास यात्रा के लिए हमेशा हमारी शुभेच्छा रहेगी, क्योंकि हम मानव जाति की भलाई के बारे में सोचने वाले लोग हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की इस चिंता का ही परिणाम था कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोद मोहम्मद यूनुस ने प्रधानमंत्री मोदी से फ़ोन पर बातचीत की और बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व संरक्षण का आश्वासन दिया। प्रोद मोहम्मद यूनुस हिन्दू समुदाय के साथ एकजुटता दिखाते हुए बांग्लादेश के सबसे प्रमुख हिंदू मंदिर ढाकेश्वरी मंदिर भी गए और हिंदू समुदाय के लोगों को बंगलादेश के परिवार का सदस्य बताते हुये उन्हें पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन भी दिया। परन्तु बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर हमारे देश में चिंताओं के साथ साथ अफ़वाहों का बाज़ार भी बहुत गर्म रहा। केवल सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि वाट्सएप जैसे फ़ेक न्यूज़ फैलाने वाले माध्यम को ही आधार मानकर देश के अनेक गोदी मीडिया चैनल्स ने उन्हीं फ़ेक न्यूज़ को प्रसारित कर भारत में भी तनाव बढ़ाने की पूरी कोशिश की। ऐसे अनेक टी वी चैनल व अख़बार जिनके नेटवर्क बांग्लादेश में नहीं हैं वे सभी वाट्सएप व फ़ेक न्यूज़ का सहारा लेकर विचलित कर देने वाली झूठी वीडिओ चलाकर अपना एजेंडा थोपने में लगे थे।

भारत में इसी तरह के झूठ को प्रसारित कर यह भ्रम फैलाने की कोशिश की गयी कि बांग्लादेश में हिन्दुओं का नरसंहार हो रहा है तथा वहां हिन्दू महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया जा रहा है। हद तो यह है इस झूठे प्रचार तंत्र ने 2021 के अपने ही देश में बंगलौर में हुये एक सामूहिक बलात्कार के विडिओ क्लिप को बांग्लादेश में हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार का क्लिप बताकर प्रसारित कर दिया ? बांग्लादेश में वहां की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मशरफ़े मुर्तज़ा के घर में आग लगा दी गयी। मुर्तज़ा 2 बार आवामी लीग के सांसद चुने गए थे तथा शेख़ हसीना के क़रीबी लोगों में थे। इसीलिये प्रदर्शनकारियों ने उन्हें निशाना बनाया परन्तु भारत में यह दिखाया गया कि बांग्लादेश टीम के हिन्दू क्रिकेटर लिटन दास के घर को जला दिया गया। मज़े की बात तो यह है कि भारत में अपने घर को जलने की ख़बर ख़ुद लिटन दास अपने ही घर में भारतीय टीवी चैनल पर देखते नज़र आये। क्या यही विश्वसनीयता है हमारे देश के फ़रेबी बेलगाम पूर्वाग्रही मीडिया की ? इसी तरह बांग्लादेश के मशहूर शहर चिटगांव में शेख़ हसीना के एक क़रीबी सलमान फ़ज़लुर्रहमान की दुकान में आग लग दी गयी देश के एक साम्प्रदायिकता भड़काने वाले टीवी चैनल ने इसे हिन्दू व्यक्ति का घर जलाने के नाम से प्रसारित कर हमारे देश में नफ़रत फैलाई। वहां का एक प्रसिद्ध राज कॉफ़ी एंड रेस्टूरेंट शॉप को आग लगाई गयी उस रेस्टूरेंट भवन को मंदिर भवन में आग लगना बताया गया।

इसी तरह एक वीडिओ हिन्दू महिला के अपहरण की वीडिओ बताकर चलायी गयी। जबकि यह छ महीने पुराना वीडिओ था जिसमें किसी हिन्दू समुदाय के एक नशेड़ी पति द्वारा अपनी ही पत्नी का अपहरण कराया गया था जो उसे छोड़कर चली गयी थी। एक पूरे मुस्लिम परिवार को मारा गया उसे हिन्दू परिवार बताया गया। एक विडिओ हिन्दू व्यक्ति को तालाब में पत्थर मार मारकर डुबोने की बताकर वायरल की गयी। जबकि यह मौलवी बाज़ार ज़िला बांग्लादेश की वीडिओ है जिसमें आवामी लीग का सेक्रेटरी जोकि स्थानीय मेयर भी है, उसे लोग तालाब में पत्थर मार कर उसे डुबोना चाह रहे हैं। ऐसे सैकड़ों झूठे मनगढ़ंत समाचार चलाकर बांग्लादेश के बहाने भारत में नफ़रत फैलाने की कोशिश उसी वर्ग द्वारा की गयी जो दिन रात अपने इसी एकमात्र उद्देष्य में लगा हुआ है।

सवाल यह भी है कि जब मुख्य मीडिया व आई टी सेल के प्रचारतंत्र द्वारा बार बार बांग्लादेश की हिंसा को हिन्दू विरोधी बताकर वहां हिन्दुओं का नरसंहार व महिलाओं का सामूहिक बलात्कार बताया गया। देश में सैकड़ों जगह प्रदर्शन कर बांग्लादेश में नरसंहार व हिन्दू महिलाओं का सामूहिक बलात्कार जैसे शब्द प्रयोग में लाये गए तो आख़िर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में वह शब्द क्यों नहीं इस्तेमाल किये ? विदेश मंत्री जयशंकर ने इन शब्दों का प्रयोग क्यों नहीं किया ? उसी बांग्लादेश से ऐसे वीडिओ व चित्र भी आये जहां स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोग दिन रात मंदिरों की रखवाली करते दिखाई दिये ? सेना की टुकड़ी मंदिर की रक्षा करते व फ़ौजी सौहार्दपूर्ण वातावरण में पुजारी के हाथों जलपान करते दिखाई दिये। इसे दिखने में फ़रेबी मीडिया ने इतनी तत्परता क्यों नहीं दिखाई ?

बेशक अल्संख्यकों की सुरक्षा हर देश की सत्ता की पहली ज़िम्मेदारी होनी चाहिये। चाहे वह बांग्लादेश हो,पाकिस्तान,अफ़ग़ानिस्तान,लंका या फिर भारत। और हर देश की सरकारों को इस ज़िम्मेदारी को प्राथमिकता के आधार पर कर्तव्य की तरह निभाना चाहिये। इसमें सरकार का ही नहीं बहुसंख्यक समाज का भी भरपूर योगदान होना चाहिये। जिस भी देश में जो भी साम्प्रदायिकतावादी शक्तियां हैं उन्हें परास्त करना चाहिये क्योंकि इनकी वजह से ही दुनिया में उस देश की बदनामी होती है। सवाल अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का ही नहीं बल्कि देश के मान सम्मान का भी है। (लेखक – तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

केसरिया होने को उतावले हैं हमारे चम्पई

सावन-भादों में सब दूर हरा ही हरा होता है लेकिन झारखंड में चम्पई बाबू केसरिया कहिये या भगवा होने के लिए उतावले है। जैसे खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है वैसे ही फूल को देखकर फूल भी रंग बदलने को मचलने लगता है। चम्पई एक रंग है और इसे चम्पा फूल का रंग भी माना जाता है। चम्पई अर्थात हल्की ज़रदी या सुनहरापन लिए हुए रंग। झारखंड राजनीति भी आजकल चम्पई के इर्द-गिर्द घूम रही है। आपको याद है न चम्पई जी झारखण्ड के कामचलाऊ मुख्यमंत्री बनाये गए थे।

चम्पई कहें या चम्पाई कोई फर्क नहीं पड़ता । वे झारखंड की राजनीति के फकीर है। पांच बार के विधायक और षटमासा मुख्यमंत्री भी है। उन्हें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जमानत पर रिहा होते ही मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा। बस यहीं से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सियासत में खटाई पड़ गयी और व्यथित चम्पाई सोरेन को भाजपा ने अपने जाल में फंसाने की मुहीम शुरू कर दी। भाजपा ने पहले हेमंत सोरेन को जेल भेजकर झारखंड हथियाने के लिए आपरेशन लोटस चलाया था लेकिन आपरेशन नाकाम हो गया । खुद चम्पाई सोरेन जी ने इसे नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन अब वे ही चम्पाई सोरेन एक बार फिर झारखंड की राजनीति के बिभीषण बनने पर आमादा हैं।

वरिष्ठता के लिहाज से चम्पाई सोरेन कम नहीं है। पांच बार के विधायक है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने शिबू सोरेन के साथ मिलकर राजनीति में काम किया है। सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के इस फकीर ने 1995 में पहली बार 11वीं बिहार विधानसभा में पैर रखा था । 2000 में झारखण्ड अलग राज्य बनने के बाद, वह 2005 , 2009 2014 ,और 2019 में पांचवीं झारखंड विधानसभा में सरायकेला से विधायक बने । उन्हें उनकी वरिष्ठता के आधार पर ,तीन मर्तबा केबिनेट मंत्री भी बनाया गया लेकिन वे परिवारवाद की राजनीति के चलते राज्य के मुख्यमंत्री नहीं बन सके । मुख्यमंत्री बनने का उनका सपना 2 फरवरी 2024 को तब पूरा हुआ ,जब 31 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी हो गयी। उन्हें हेमंत की गिरफ्तारी के बाद काम चलाऊ मुख्यमंत्री बनाया गया ,लेकिन 4 जुलाई 2024 को हेमंत की रिहाई के बाद उन्हें अपना राज-पाट छोड़ना पड़ा । यहीं से उनका मन खट्टा हो गया।

झमुमो के इस फकीर के मन में पड़ी खटास को देखते ही भाजपा ने एक बार फिर आपरेशन लोटस शुरू किया और चम्पाई पर डोरे डालने शुरू कर दिए।

कहते हैं कि अब चम्पाई बाबू बागी हो चुके हैं और अपने कथित अपमान का बदला लेने के लिए वे भाजपा से हाथ मिलाने के लिए उतावले हैं। खबर है की चंपई शनिवार को कोलकाता पहुंचे और फिर रविवार दोपहर दिल्ली। माना जा रहा है कि बीजेपी के कुछ सीनियर नेताओं से उनकी फोन पर भी बातचीत हुई और जल्द ही आमने-सामने की मीटिंग भी हो सकती है। चंपई सोरेन का दिल्ली में तीन दिनरहने का प्लान है। चंपई सोरेन के अलावा जेएमएम के 5-6 और विधायकों के भी अलग से बीजेपी के संपर्क में होने की चर्चा चल रही है।

रिवायत के अनुसार झामुमो नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के रविवार को दिल्ली आने के बाद कई तरह की अटकलें थीं। इसी बीच चंपई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बायो से अपनी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का नाम हटा दिया है। अब चंपई सोरेन के नए बायो पर सिर्फ झारखंड पूर्व सीएम लिखा हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पुराने 4 दशकों से सिपहसलार और लेफ्टिनेंट चंपई सोरेन का अपने ही पार्टीसेमोहभंग हो गया। उन्होंने जेएमएम पर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए अपनी राहें जुदा करने का इरादा स्पष्ट कर दिया है। सोरेन ने कहा है कि आगे का हमसफर चुनने के लिए उनके तमाम विकल्प खुले हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का आरोप है कि उन्हें बेआबरू करके सत्ता से बेदखल कर दिया गया था. उनके तमाम अधिकार अपनी ही पार्टी और हेमंत सोरेन के करीबियों के द्वारा फ्रीज कर दिए गए थे।बगैर एजेंडा बताए विधायक दल की बैठक बुलाकर इस्तीफा देने का आदेश पारित कर दिया गया था. तमाम कार्यक्रम में जाने पर तीन दिनों तक रोक लगा दी गई थी, लिहाजा उन्होंने तय कर लिया था या तो वो संन्यास ले लेंगे, या फिर समानांतर संगठन खड़ा करेंगे या फिर कोई साथ चलने के लिए हमसफर चुन लेंगे। यानी पार्टीपार्टी छोड़ने की अनौपचारिक घोषणा वो कर चुके हैं।

आपको बता दें कि इससे पहले भाजपा बिहार में नीतीश कुमार के जरिये सत्ता में शामिल हो चुकी है। भाजपा बिभीषणों के जरिये 2020 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार को हजम कर चुकी है। भाजपा को इस खेल में महारत हासिल है ,लेकिन अभी तक दिल्ली और झारखण्ड में उसकी चालें कामयाब नहीं हो पायी थीं। भाजपा हरियाणा और जम्मू-कश्मीर हाथ से जाने के पहले झारखंड को अपनी मुट्ठी में करना चाहती है। ऐसा हो पायेगा या चम्पाई सोरेन एँन मौके पर द्रवित हो जायेंगे,कहना कठिन है क्योंकि - कुर्सी महा ठगिनी हम जानी।(लेखक- राकेश अचल/ईएमएस)

आज का इतिहास 20 अगस्त

1791 डेनमार्क के खोजी वाइटस जोनस बेरिंग ने अलास्का की खोज की .

1828 ब्रह्म समाज का पहला अधिवेशन कलकत्ता में हुआ.

1886 बल्गारिया में सैनिक क्रांति हुई.

1921 केरल में मोपला विद्रोह शुरु हुआ.

1944 मुंबई में स्व. राजीव गांधी का जन्म.

1968 सोवियत संघ और वारसा संधि के अन्य देशों ने चेकोस्लोवाकिया पर हमला कर अलेक्जेंडर दुबचेक की उदारवादी सरकार को हटा दिया.

1971 लीबिया मिस्त्र और सीरिया ने अरब गणराज्यों का संघ बनाने के लिए संविधान पर हस्ताक्षर किए .

1975 अमरीका ने मंगल ग्रह के लिए अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया.

1976 दक्षिण अफ्रीका सरकार ने अश्वेतों को जमीन का मालिकाना हक देने की घोषणा की.

1979 चौधरी चरण सिंह ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया.

1985 संगरुर के निकट अकाली दल के अध्यक्ष हरचंदसिंह लोंगोवाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई.

1988 ईरान व इराक के बीच युद्ध समाप्त हुआ.

1989 सोवियत संघ ने अपनी वायुसेना के सबसे खतरनाक बमवर्षक ब्लैकजैक के बारे में रहस्योद्घाटन किया.

हॉकी में पुनः भारत का दबदबा

पेरिस ओलंपिक अब ख़त्म हो चूका है और प्रधान मंत्री ने सभी खिलाड़ियों से मुलाक़ात की , पेरिस ओलंपिक हॉकी में मिला पदक फिर से हॉकी में भारत को बादशाह बनाने की ओर अग्रसर है इस ओलंपिक में विनेश फोगाट के शानदार प्रदर्शन को भारत हमेशा सम्मान देगा लेकिन इस पर राजनीती ठीक नहीं है दुनिया के सबसे पुराने खेलों में से एक, हॉकी की शुरुआत संभवतः 1527 में स्कॉटलैंड से हुई थी। तब इसे अंग्रेज़ी में होकी (प्दग) के नाम से जाना जाता था। कुछ रिकॉर्ड्स बताते हैं कि इसी तरह का खेल उस समय मिस्र में भी खेला जाता था।हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, पेरिस ओलंपिक में भारत को मिला चौथा पदक इंडिया और स्पेन के बीच पेरिस ओलंपिक का हॉकी का कांस्य पदक मैच खेला गया। भारत ने इस मैच को 2-1 से जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा किया है। लंबे समय के बाद भारत ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक खेलों में पदक जीता है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी भारत ने कांस्य पदक हॉकी में जीता था।

हॉकी में ओलंपिक में भारत का ये 13वां मेडल है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे, दोनों गोल उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। भारत के गोलकीपर और अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पीआर श्रीजेश ने भारत के लिए कई गोल इस मैच में बचाए। उन्होंने आखिरी के कुछ मिनटों में आधा दर्जन बार पेनल्टी कॉर्नर या फिर फील्ड गोल से भारत को बचाया भारत 50साल बाद हॉकी में फिर से विश्वविजेता बनने की ओर अग्रसर है अनेकानेक बधाई जब भारतीय हॉकी टीम 1928 ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए बॉम्बे बंदरगाह से एम्सटर्डम रवाना हो रही थी,

तब सिर्फ तीन लोग उसे विदा करने आए थे.शुरुआतभारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में पहली बार 1928 में कदम रखा था. फील्ड हॉकी 1908 और 1920 के खेलों का हिस्सा थी, लेकिन भारत ने इसमें भाग नहीं लिया था. जब भारतीय हॉकी टीम 1928 ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए बॉम्बे बंदरगाह से एम्सटर्डम रवाना हो रही थी, तब सिर्फ तीन लोग उसे विदा करने आए थे. इसके उलट जब टीम स्वर्ण पदक जीतकर भारत लौटी, तब हजारों लोग विजेता टीम का स्वागत करने के लिए खड़े थे.1928 ओलंपिक के हॉकी इवेंट में कुल 9 टीमों ने भाग लिया था. भारत को बेल्जियम, डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया था. वहीं, मेजबान नीदरलैंड्स जर्मनी, फ्रांस और स्पेन ग्रुप बी में थे. दोनों ग्रुप की टॉप टीम ने स्वर्ण पदक के लिए एक-दूसरे का सामना किया, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों ने कांस्य पदक के लिए मैच खेले.17 मई को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रिया को 6-0 से हरा दिया.

इसके बाद भारत ने बेल्जियम को 9-0 और डेनमार्क को 5-0 से मात दी. स्विट्जरलैंड को 6-0 से हराने के साथ ही भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई.26 मई को टूर्नामेंट के फाइनल में भारत के सामने कई परेशानियां खड़ी थीं. फिरोज खान चोट और शौकत अली बुखार के चलते फाइनल मुकाबले से बाहर हो गए थे. वहीं, कप्तान जयपाल सिंह भी कुछ मैच पहले ही स्वदेश लौट चुके थे. इसके बावजूद भारत ने 23 हजार फैन्स के सामने नीदरलैंड्स को 3-0 से मात दे दी. ध्यानचंद ने दो और जॉर्ज मार्टिंस ने एक गोल दागकर भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग की शुरुआत की. पूरे टूर्नामेंट में भारत ने कुल 29 गोल किए थे, जिसमें से 14 गोल तो अकेले ध्यानचंद ने दागे.भारतीय टीम के विजयी अभियान की एक खास बात यह रही थी कि उसने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं खाया. इसमें सबसे बड़ा योगदान भारतीय गोलकीपर रिचर्ड एलन का था. एलन गोलपोस्ट के सामने दीवार बनकर खड़े हो गए थे और विपक्षी टीम का कोई भी खिलाड़ी इस दीवार को भेद नहीं सका.हॉकी खेल के इतिहास के बारे में बात करें तो कुछ लोगों का मानना है कि इसका आविष्कार ईसा के जन्म से 2000 वर्ष पहले हुआ था लेकिन उसमें हॉकी खेलने का तरीका और उसके प्रणाली काफी अलग थी इस खेल की शुरुआत मिस्र देश के माध्यम से मानी जाती है और आगे चलकर यह खेल काफी मशहूर हुआ जिसके बाद कई देशों में हॉकी खेल जाने लगा भारत में हॉकी का विस्तार ब्रिटिश सरकार के समय हुआ था क्योंकि भारत में ब्रिटिश लोगों के द्वारा हॉकी खेला जाता था जिसके कारण भारत में हॉकी खेल की उत्पत्ति हुई ^भारत में झांसी, जबलपुर, जांलधर, लखनऊ, लाहौर आदि क्षेत्रों में मुख्य रूप से हॉकी खेला जाने लगा।

दुनिया में 1908 को ओलंपिक का आयोजन किया गया जिसमें पहली बार हॉकी को खेल के तौर पर सम्मिलित किया गया हालांकि 1924 में इसे बाहर कर दिया गया था जिसके बाद हॉकी खेल को पूरी दुनिया में संचालित करने के लिए हॉकी फेडरेशन की स्थापना की गई जिसका प्रमुख मकसद हॉकी से संबंधित नियमों को बढ़ाना था और आज की तारीख में चौकी के जितने भी नियम है वह सभी हॉकी फेडरेशन के माध्यम से ही बनाए जाते हैं एशिया में हॉकी आने के बाद सबसे पहले ये खेल भारत में ही खेला गया।

भारत ने आज तक आठ स्वर्ण, एक सिल्वर और दो कांस्य पदक जीत लिए है। भारत के महान हॉकी स्टार मेजर ध्यानचंद हॉकी के बहुत अच्छे खिलाड़ी थे। इन्हीं के जन्मदिवस पर भारत में खेल दिवस मनाया जाता है। भारत को पेरिस ओलंपिक में भारत को कास्य पदक ही सही लेकिन मिला पदक हॉकी में एक नई जान डाल देगी क्योंकि भारत में क्रिकेट के बाद सबसे ज्यादा रोमांचक खेल हॉकी है। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8103

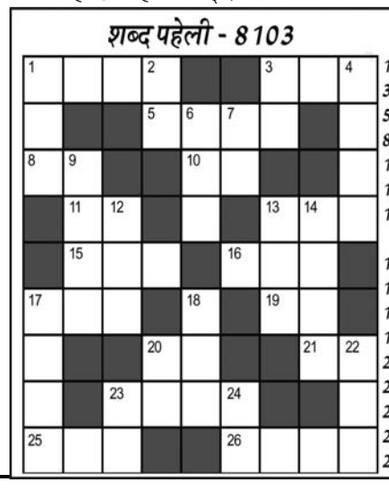

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान,गगन-3
5. निम्न,जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि,निशा-2
10. सिलना,छाती
11. नश,नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप,पास,नजदीक-3
19. भगवान,खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ,अधर-2
23. लूटपाट,डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस,लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी,अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत,साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार,रस से भरा-3
7. मेहंदी,ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी,भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत,प्रेम-2
22. ऋतुराज,मौज-मस्ती-3
23. रास्ता,डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8102 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

साकिब की घातक गेंदबाजी से ओवल इनविंसिबल्स ने द हंड्रेड खिताब जीता

लंदन (ईएमएस)। कप्तान सैम बिलिंग्स की ओवल इनविंसिबल्स ने सदर्न ब्रेव को 17 रनों से हराकर द हंड्रेड टूर्नामेंट जीत लिया है। ओवल इनविंसिबल्स ने ये टूर्नामेंट लगातार दूसरी बार जीता है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ओवल की टीम ने 9 विकेट पर 147 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रेव की टीम ओवल के तेज गेंदबाज साकिब महमूद का सामना नहीं कर पायी और 7 विकेट पर 130 रन ही बना पायी।

148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय सदर्न ब्रेव ने 3 विकेट पर 99 रन बना लिए थे ओर वह जीत की ओर बढ़ रही थी पर इसके बाद साकिब के ओवर में बाजी पलट गयी। साकिब ने 7 गेंद पर तीन विकेट लिए। अनुभवी किरीन पोलार्ड भी साकिब की गेंदों के सामने टिक नहीं पाये और पवेलियन लौट गये। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते ही गये। ओपनर एलेक्स डेविस ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए जबकि क्रेग ओवर्टन ने 11 गेंद पर 22 रन बनाए पर वह टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये।

इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर टीम का सपना पूरा करेंगे : लियोन

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर पिछले एक दशक का सूखा समाप्त करेगी। लियोन के अनुसार टीम पिछले दस साल से ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पायी है पर इस बार उसका ये सपना पूरा किया जाएगा। साथ ही कहा कि अपनी टीम की जीत में वह अहम भूमिका निभाना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने साल 2014-15 के बाद से ही अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इस दौरान उन्हें अपने घर में भी लगातार दो सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। 2020-21 में भारत 0-1 से पीछे था और एडिलेड में 36 रन पर ऑलआउट हो गया था लेकिन उसके बाद टीम ने मेलबर्न में जीती और ब्रिस्बेन में जीतकर ट्रॉफी आने नाम की। सिडनी में टेस्ट को बराबरी पर लाने में भारतीय टीम सफल रही।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार,सेंसेक्स 80,424.68 ,निफ्टी 24,572.65 पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजारमेंसोमवारकोमिला-जुलाकारोबारहुआ।सप्ताहकेपहले ही कारोबारी दिन दुनियाभर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी वाहन और बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया और अंत में सपाट बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 12.16अंक करीब0.02 फीसदी टूटकर80,424.68 पर बंद हुआ। वहीं दूसरीओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.50 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी ऊपरआकर 24,572.65 अंक पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप में 0.53 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप में 1.13 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयरलाभपर बंद हुए। टाटा स्टील, टीसीएस,एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिकलाभवालेशेयररहे। इसके अलावा रिलायंस, टाइटन, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड,बजाज फाइनैंस,सन फार्मा, इंफोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर गिरावट पर बंद हुए। एमएंडएम, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके साथ ही आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, मारुति, एलएंडटी, आईटीसी, एचयूएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार बाजार ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली के कारण शुरुआती बढ़त के बाद भी बाजार नीचे आया। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, शंघाई और हांगकांग तेज के साथ बंद हुए जबकि सियोल और टोक्यो के बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं यूरोपीय बाजार ऊपर आये। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से ?मिले मजबूत संकेतों के दौरान बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स लगभग 243.41 अंक बढ़कर 80,680.25 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 95.20 अंक बढ़कर 24,636.35 के स्तर पर पहुंच गया।

छात्रों की मौत को लेकर शेख हसीना पर एक और नया मामला दर्ज

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में आरक्षण-विरोधी प्रदर्शन में हुई दो कॉलेज छात्रों की मौत को लेकर पूर्व पीएम शेख हसीना पर हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व पीएम शेख हसीना पर दर्ज किए कई मामलों में यह नया मामला दर्ज हुआ है।वह सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के विरुद्ध छात्रों के हिंसग प्रदर्शन के बाद पीएम पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत चली गईथीं।हिंसा के दौरान ढाका के सूत्रापुर क्षेत्र में दो छात्रों की मौत को लेकर हसीना और 12 अन्य पर नए मामले दर्ज किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोबी नजरूल सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थी इकराम हुसैन कावसेर और शहीद सुहरावर्दी महाविद्यालयके छात्र उमर फारूक की मौत को लेकर ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट मेंयह मामला दर्ज किया गया है।

सूडान में फैला हैजा, 22 की मौत सैकड़ों बीमार

सूडान,(ईएमएस)। सूडान में हैजा फैलने से कम से कम 22 लोगों मौत हो गई है जबकि सैकड़ों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अफ्रीकी देशसूडान में 16 महीने से संघर्ष जारी है। साथ ही यह विनाशकारी बाढ़ से भी प्रभावित है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्री हैथम मोहम्मद इब्राहिम ने कहा कि हाल के सप्ताह में हैजा फैलने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है

रक्षाबंधन पर 12000 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में सोमवार को रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया जा रहा है। इस बार राखियों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया है। राखी के दिन से पहले ही 12,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हो चुका है। इस बार लोगों ने चीनी राखियों से दूरी बनाई। पिछले साल राखी पर 10,000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार राखी से पहले ही पिछले साल का ये आंकड़ा पार हो गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने राखी पर हुए कारोबार के आंकड़े जारी किए हैं जिसके अनुसार देशभर में राखी के त्यौहार पर 12 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ है। रविवार देर रात तक राखी और तोहफे खरीदने वालों की बाजार में रौनक लगी रही। राखी के दिन भी बाजार गुलजार है। इस बार बाजार में न ही चीनी राखियों की डिमांड दिखी और न ही राखियां। लोग चीनी राखियों से दूरी बना रहे हैं।

अब मास्टरकार्ड भी करेगा कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले कुछ महीने में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और इंटेल जैसी कई प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों ने कामकाजी लागत कम करने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है। इस सूची में अब डेबिट और क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन सुविधा देने वाली अमेरिकी कंपनी मास्टरकार्ड शामिल हो गई है। यह अपने करीब 1 हजार कर्मचारियों को निकालने वाली है, जो इसकी कुल वर्कफोर्स का 3 फीसदी हैं। मास्टरकार्ड का कहना है कि छंटनी कंपनी की नई रिस्ट्रक्चरिंग प्रक्रिया का हिस्सा है। साथ ही वह कुछ गैर-जरूरी पदों को भी खत्म कर रही है। मास्टरकार्ड के मुताबिक इससे उसे मौजूदा बाजार में बेहतर तरीके से कामकाज करने में मदद मिलेगी। छंटनी को 30 सितंबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इससे भारत समेत दुनियाभर में मास्टरकार्ड कर्मचारी प्रभावित होंगे।

खाने में माइक्रो प्लास्टिक का पता लगाएगी एफएसएसएआई

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थों में माइक्रोप्लास्टिक यानी प्ला?स्टिक के कण की मिलावट का पता लगाने के लिए एक खास परियोजना शुरू की है। इसके तहत माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को एक उभरता हुआ खतरा माना गया है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। एफएसएसएआई के एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह परियोजना इस साल मार्च में शुरू की गई थी। परियोजना का नाम उभरते खाद्य संदूषक के रूप में माइक्रो और नैनो प्लास्टिकः मान्य पद्धतियों की स्थापना और विभिन्न खाद्य मैट्रिक्स में व्यापकता को समझना है। इसका मकसद विभिन्न खाद्य उत्पादों में माइक्रो और नैनो प्लास्टिक का पता लगाने के लिए विश्लेषणात्मक तरीकों को विकसित करना और उन्हें मान्यता देना है। परियोजना के तहत भारत में माइक्रो और नैनो प्लास्टिक मिलावट के जोखिम स्तर का आकलन भी किया जाएगा। प्रोजेक्ट के शुरुआती उद्देश्यों में माइक्रो, नैनो-प्लास्टिक विश्लेषण के लिए मानक प्रोटोकॉल विकसित करना, इंट्रा- और इंटर-लैबोरेटरी तुलना करना और उपभोक्ताओं के बीच माइक्रोप्लास्टिक जोखिम के स्तर पर महत्वपूर्ण डेटा तैयार करना शामिल है। यह अध्ययन देश भर के बड़े रिसर्च सेंटर्स के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिनमें सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (लखनऊ), आईसीएआर-केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (कोच्चि) और बिड़ला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (पिलानी) शामिल हैं।

देश के 12 फीसदी मसाले सुरक्षा मानकों में खरे नहीं उतरेः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के दो प्र?सिद्ध मसाला ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों की गुणवतता पर कई देशों द्वारा सवाल उठाने के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने मसालों की जांच की थी। अब इस जांच की रिपोर्ट सामने आ गई है। बताया जा रहा है ?कि जांचे गए मसालों के लगभग 12 फीसदी नमूने गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। यह जानकारी रॉयटर्स द्वारा प्राप्त आंकड़ों से सामने आई है। कीटनाशकों के उच्च स्तर के कारण अप्रैल में हांगकांग द्वारा एमडीएच और एवरेस्ट ब्रांडों के कुछ लोकप्रिय मसाला मिश्रणों की बिक्री को निलंबित करने के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने मिश्रित मसाला मिश्रणों की जांच, सैंपलिंग और परीक्षण किया। इसके बाद ब्रिटेन ने भारत से सभी मसालों के आयात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया, जबकि न्यूजीलैंड, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने इन ब्रांडों से संबंधित मुद्दों की जांच की बात कही। एमडीएच और एवरेस्ट ने कहा है कि उनके उत्पाद उपभोग के लिए सुरक्षित हैं। उनके मसाले भारत में सबसे लोकप्रिय हैं जो दुनिया का सबसे बड़ा मसालों का निर्यातक, उत्पादक और उपभोक्ता है। ये मसाले यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में बेचे जाते हैं। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त डेटा से पता चलता है कि मई और जुलाई की शुरुआत के बीच परीक्षण किए गए 4,054 नमूनों में से 474 गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने एक बयान में बताया कि उसने जिन मसालों का परीक्षण किया, उनके ब्रांडों के अनुसार विवरण नहीं है, लेकिन वह गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरने वाली कंपनियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

सरकार एफडीआई निवेश सीमा बढ़ाकर 100 फीसदी करेगी!

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार इंश्योरेंस में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 100 फीसदी करने पर ?विचार कर सकती है। अभी यह 74 फीसदी है। इस प्रस्ताव पर अधिकारी एक दूसरे से चर्चा कर रहे हैं। बता दें ??कि इस प्रस्ताव पर नियामक का समर्थन प्राप्त है। हालांकि इसके लिए राजनीतिक मंजूरी की जरूरत होगी क्योंकि इसमें बीमा अधिनियम में संशोधन शामिल हैं। इस बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र के लिए एफडीआई नियमों को आसान बनाने के कुछ प्रस्ताव भी शामिल हैं। इनमें टॉप मैनेजमेंट के कुछ सेगमेंट में भारतीयों को रखने के आदेश की भी समीक्षा की जा रही है। बता दें कि पिछले 9 साल के दौरान इंश्योरेंस सेक्टर में करीब 54 हजार करोड़ रुपये का एफडीआई आया है। एफडीआई में सरकार की ओर से नीतियों में ढील की वजह से इतनी रकम आई है। इससे विदेशी निवेशक बड़ी संख्या में भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। एफडीआई के अलावा कानून में संशोधनों का एक व्यापक सेट भी प्रस्तावित है। हालांकि इसका बिल कब लाया जाएगा, इसके बारे में अभी कोई समय तय नहीं हुआ है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग भी इसके लिए क्षेत्रीय मानदंडों और नियमों की समीक्षा कर रहा है। बीमा उपभोक्ता संबंधी क्षेत्रों में से एक है जो एफडीआई के लिए केवल आंशिक रूप से खुला है। वहीं अन्य सभी क्षेत्र एफडीआई के मामले में आगे बढ़ चुके हैं।

बीएसई और कोरोमंडल शेयरों में निवेशक लगा सकते हैं दाव!

नई दिल्ली (ईएमएस)। एंजेल वन लिमिटेड में एक इक्विटी टेकिन्कल ?विशेषज्ञ ने सप्ताह के पहले दिन सोमवार को दो शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। इन दो शेयरों के बारे में पिछले सप्ताह ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और एक्सचेंजों से संबंधित स्टॉक सुर्खियों में थे। इस विशेष स्टॉक ने हाल की सुस्ती के दौर से उभरने के तकनीकी संकेत भी दिखाए है, जो निकट अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता दिखाता है। डेली चार्ट पर शेयर ने तेजी से इनवर्स हेड एंड शोल्डर ब्रेकआउट की पुष्टि की है, जो वॉल्यूम में उल्लेखनीय वृद्धि और अनुकूल संकेतक प्लेसमेंट द्वारा समर्थित है। इसके अलावा शेयर में तेजी का अंतर देखा गया और इस स्तर की ओर किसी भी गिरावट को प्रमुख चलती औसत के साथ संरेखित करते हुए खरीदा जा रहा है। ऐसे में निवेशकों को बीएसई का शेयर 2645- 2,640 रुपये के आसपास खरीदारी करने की सलाह दी जाती हैं।

रिस्क मैनेज करने के लिए निवेशक 2540 रुपये पर स्टॉप लॉस लगा सकते हैं जबकि इसके टारगेट प्राइस 2850 रुपये है। हाल की बाजार में कमजोरी के दौरान यह स्टॉक लचीला बना रहा और लगातार बेहतर प्रदर्शन करता रहा। डेली चार्ट पर कीमतें हाल के भीड़भाड़ क्षेत्र से बाहर निकलने के बाद अब नए क्षेत्र में कारोबार कर रही हैं। इसके अलावा ?निवेशकों को कोरोमंडल का शेयर 1760-1755 रुपये के बीच खरीदने की सलाह देते है। रिस्क को मैनेज करने के लिए निवेशक 1690 रुपये स्टॉप लॉस लगा सकते हैं। साथ ही टारगेट प्राइस 1870 रुपये है।

शेख हसीना के खिलाफ एक्शन के लिए छटपटा रही है यूनुस सरकार

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट और उनके देश छोड़कर भागने की घटना को दो हफ्ते हो चुके हैं। हिंसा की आग में झुलस रहे बांग्लादेश में अब हालात सामान्य होने लगे हैं लेकिन, अभी भी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हसीना के खिलाफ ऐक्शन को छटपटा रही है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरदार चखारी ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जकी-अल-फराबी की अदालत में आवेदन किया है।

शेख हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को हसीना और 33अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। बांग्लादेश की अदालत में बाबुल सरदार चखारी ने आवेदन में उन पर 5 मई 2013 को मोतीझील के शपला छत्तर में रैली के दौरान सामूहिक हत्या का आरोप लगाया गया है। अदालत ने बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर बाद में आदेश सुनाएगी।बता दें कि 76 वर्षीय हसीना 5 अगस्त को प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत भाग गईं थी। बांग्लादेश में उनके खिलाफ 11 मामले चल रहे हैं।

लेटरल एंट्री सिस्टम बना चर्चा का विषय, भारत ही नहीं कई देशों में है लागू,एक्सपर्ट बोले : इससे ब्यूरोक्रेसी में बढ़ती है दक्षता और पारदर्शिता

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बिना परीक्षा आईएएस बनाने वाले लेटरल एंट्री सिस्टम चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस समेत कई विरोधी पार्टियां लेटरल एंट्री से हो रही नियुक्तियों का विरोध कर रही है। विपक्ष के विरोध के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का विचार यूपीए के समय में आया था। आपको बता दें ये सिस्टम भारत ही नहीं दुनिया के देशों में है।

यूपीएससी लेटरल एंट्री के जरिए सीधे उन पदों पर उम्मीदवारों की भर्ती की जाती है, जिन पद पर आईएएस रैंक के ऑफिसर तैनात किए जाते हैं। इस सिस्टम में कई मंत्रालय, विभाग और संगठनों में सीधे उपसचिव (ज्वाइंट सेक्रेटरी) और डायरेक्टर और डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर उम्मीदवारों की नियुक्ति होती है। इसमें निजी क्षेत्रों से अलग-अलग सेक्टर के एक्सपर्ट्स को सरकार में इन पदों पर नियुक्त करती है। इस सिस्टम में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में हिस्सा नहीं लेता है और बिना परीक्षा दिए साक्षात्कार के जरिए निजी सेक्टर के एक्सपर्ट्स की इन पदों पर नियुक्ति की जाती है।

लेटरल सिस्टम भारत के अलावा कई देश हैं जो लेटरल एंट्री से अधिकारियों की नियुक्तियों को सपोर्ट करते हैं। सिविल सर्विस मैनेजमेंट के लिए मशहूर देशों में डायरेक्ट और लेटरल एंट्री सिस्टम है, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, यूएसए और यूके जैसे देश शामिल हैं। इनके अलावा फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया और स्पेन जैसे देशों में ये सिस्टम लागू है। अमेरिका में कई पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है और यहां लेटरल एंट्री सिस्टम का पर्मानेंट पार्ट है।

इसके अलावा कनाडा में भी लेटरल एंट्री सिस्टम है और एजुकेशन भी कुछ कोर्स में सीधे एंट्री दिए जाने का प्रावधान है। यूके में भी लेटरल एंट्री के जरिए एससीएस संभव है, लेकिन अभी इनकी संख्या काफी कम है और ये जरूरी है कि लेटरल एंट्री लेने वाले उम्मीदवार को निजी सेक्टर में अच्छा अनुभव होना चाहिए। वैसे यूके और भारत में सिविल सर्विसेज का सिस्टम करीब एक जैसा ही है। कई एक्सपर्ट लेटरल एंट्री के फायदे भी गिनाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लेटरल एंट्री सिस्टम से सरकारी सेवाओं में एक्सपर्ट और अनुभव दोनों शामिल होते हैं। इससे कामकाज में सुधार होता है और इससे नई सोच और दृष्टिकोण भी शामिल होता है। साथ ही ब्यूरोक्रेसी में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ती है। साक्षात्कार से चयन होने पर एक्सपर्ट में भी खास लोग चुनकर आते हैं और उन्हें उस फील्ड में काफी लंबा अनुभव होता है जो नीतियां बनाने में काफी फायदेमंद होता है।

बता दें कि इस बार 45 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इससे पहले 2019 में आठ जॉइंट सेकेट्री पदों पर नियुक्ति की गई थी। इसके बाद 2022 में 30 अधिकारियों का चयन किया गया था। वहीं, 2023 में 37 पदों के लिए भर्ती निकाली थी, 20 अधिकारी जिसमें जॉइंट सेकेट्री, डायरेक्टर और डेप्युटी सेकेट्री भी शामिल थे।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में बफर जोन स्थापित करेगा यूक्रेनःजेलेंस्की

कीव,(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के घुसने का मकसद वहां एक 'बफर जोन'बनाना है। यह पहली बार है, जब जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में शुरू किए अभियान के पीछे की मंशा को जाहिर किया है।इससेपहलेउन्होंने कहा था कि अभियानकामकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में समुदायों कोरूस की ओर से लगातार हो रही गोलाबारी से बचाना है। जेलेंस्की ने कहा कि रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता है जितना संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को खत्म करना और ज्यादा से ज्यादा जवाबी कार्रवाई करना।

बांग्लादेश हिंसा पर यूएन की आई रिपोर्ट, 27 दिनों में 650 मौतें, अल्पसंख्यकों पर जानलेवा हमला

जिनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच बांग्लादेश में अशांति के दौरान हिंसक घटनाओं में लगभग 650 लोग मारे गए। इस रिपोर्ट में न्यायेतर हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों और लोगों को हिरासत में लिये जाने की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है। 'बांग्लादेश में हालिया विरोध प्रदर्शन और अशांति का प्रारंभिक विश्लेषण' शीर्षक वाली 10-पृष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से चार अगस्त के बीच करीब 400 मौतें हुईं, वहीं पांच और छह अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार और सुरक्षा बल के कई जवान शामिल थे। इसमें कहा गया है कि हजारों प्रदर्शनकारी और राहगीर घायल हुए तथा अस्पताल अत्यधिक मरीजों से भरे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौतों की संख्या संभवतः कम आंकी गई है, क्योंकि कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सूचना संग्रह में बाधा आ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अधिकारियों ने अस्पतालों को मारे गए और घायल हुए लोगों का विवरण देने से रोका। रिपोर्ट में कहा गया है, ''ऐसे मजबूत संकेत हैं कि सुरक्षा बलों ने हालात से निपटने के लिए अनावश्यक और अत्यधिक बल का प्रयोग किया। इसलिए इन सबकी स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ''कथित उल्लंघनों की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है, जिनमें न्यायेतर हत्याएं, मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां और हिरासत, जबरन गायब कर दिया जाना, यातना और दुर्व्यवहार तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के कार्यालय ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करते हुए बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा सहित मानवाधिकार उल्लंघनों और हिंसा के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। सभी मानवाधिकार उल्लंघनों की व्यापक, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का आह्वान करते हुए तुर्क ने यह भी कहा कि दक्षिण एशियाई देश में परिवर्तन एक ऐतिहासिक अवसर है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन मानवाधिकारों, समावेशिता और कानून के शासन पर आधारित हो।

अमेरिका में कोरोना फिर पसार रहा पैर, सीवेज का पानी बन रहा वजह

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोविड महामारी अपने पैर पसाने लगी है। देश में पिछले दो साल में सबसे ज्यादा कोविड मरीज मिले हैं। एक रिपोर्ट में बताया कि इसकी पुष्टि यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के वेस्टवाटर डैशबोर्ड ने की है जिसमें बताया गया है कि अमेरिका में कोविड-19 की एक बड़ी लहर चल रही है। इसका खुलासा लोगों के घरों से निकलने वाले सीवेज का पानी (अपशिष्ट जल) है।

सीडीसी ने बताया है कि अपशिष्ट जल में वायरल गतिविधि का माप बढ़कर 8.82 हो गया है, जो जुलाई 2022 में 9.56 से थोड़ा ही कम है। वर्तमान में अमेरिका के पास कोविड वायरस के स्तर का पता लगाने के लिए सीवेज का पानी ही एकमात्र उपाय है। सीडीसी का कहना है कि सबसे ताजा डेटा अधूरा है और इसमें बदलाव हो सकता है। अमेरिका में मई में कोविड के फिर से बढ़ने से पहले यह 1.36 था। सीडीसी के अपशिष्ट जल निगरानी कार्यक्रम के डिप्टी डायरेक्टर डॉ जोनाथन योडर ने ईमेल में कहा, वर्तमान में, कोविड-19 अपशिष्ट जल वायरल गतिविधि का स्तर राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ज्यादा है, जिसमें पश्चिमी अमेरिकी क्षेत्र सबसे आगे है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल की कोविड-19 लहर पिछले साल की तुलना में पहले आ रही है, जो 2022 में अगस्त के अंत या सितंबर की शुरुआत में दिखाई दी थी।

एमरी विश्वविद्यालय में पर्यावरण स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मार्लीन वोल्फ ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण उछाल है। स्तर बहुत ज्यादा हैं। वे गर्मियों की लहर के दौरान अब तक के सबसे उच्च स्तर है। हम देशभर में अपने 100 फीसदी नमूनों में एसएआरएस-कोवी-2 का पता लगा रहे हैं। वेस्टवॉटर स्केन ने भी 2022 की शुरुआत में निगरानी शुरू की और जिन साइटों पर यह निगरानी करता है, उनकी संख्या समय के साथ बदल गई है।

रुस के पास गोला बारूद का टोटा- नहीं कर पा रहा जवाबी कार्रवाई

मॉस्को (ईएमएस)। रुस जैसा शक्तिशाली देश यूक्रेन से जंग लड़ने में हांफने लगा है। उसके पास गोला बारुद को टोटा पड़ गया है। यही वजह है कि यूक्रेन ने पश्चिमी कुर्स्क इलाके के कुछ क्षेत्र पर कब्जा कर रूस को बड़ा झटका दे दिया था। अब चर्चाएं ये भी शुरू हो गई हैं कि आखिर रूस इसका जवाब अब तक क्यों नहीं दे सका है। जानकार इसके कई कारण गिनाते हैं। हालांकि, खबरें ये भी हैं कि रूस ने इस कार्रवाई का जवाब धीरे-धीरे देना शुरू कर दिया है। खास बात है कि फरवरी 2022 में हुए आक्रमण के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शासन को यह चौथा बड़ा झटका माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि रूस की सेना में क्विक रिएक्शन फोर्सेज की कमी है, जो आपातकाल की स्थिति में कार्रवाई के लिए तैयार हो सकती है। दो अधिकारियों ने कहा कि रूसी बलों ने आक्रमण के दौरान पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में लाखों तोप के गोले चलाए, लेकिन मॉस्को कुर्स्क से यूक्रेनियों के बाहर निकालने के लिए भारी तोपों का इस्तेमाल करने में इच्छुक नहीं रहा है। बता दें कि बीते सप्ताह यूक्रेन की सेना ने कीव के पूर्वोत्तर पर हमला बोल दिया था, जिसके बाद उसने कई गावों पर कब्जा किया और रूसी सैनिकों को बंदी बना लिया था। यूएसए टुडे से बातचीत में अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया है कि यूक्रेन ने आक्रमण के बारे में व्हाइट हाउस या पेंटागन को जानकारी नहीं दी थी। इधर, पुतिन ने भी इस हमले का जिम्मेदारी यूक्रेन के सहयोगियों को बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी यूक्रेन में लगातार जंग के बाद रूस के पास गोला बारूद की भी कमी हो सकती है। एक अमेरिकी अधिकारी का कहना है कि कुर्स्क में यूक्रेनी बलों का सामना करने के लिए रूस ने बलों को बढ़ाना शुरू कर दिया है। साथ ही रूस की धीमी जवाबी कार्रवाई की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि उन्हें इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं है कि यूक्रेन क्या करना चाह रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यूक्रेन के हमले की एक वजह रूसी सैनिकों को कैदी बनाने की भी हो सकती है, जिसका इस्तेमाल वो कैदियों की अदला-बदली में कर सकता है। कहा जा रहा है कि 3 हजार से ज्यादा युद्ध बंदी अदला बदली के जरिए घर वापसी कर चुके हैं। हालांकि, अब तक यह भी साफ नहीं है कि दोनों पक्षों के पास कितने युद्धबंदी हैं।

यूक्रेनी वायुसेना ने सेइम नदी पर बने एक पुल को तबाह कर दिया और पास के ही एक पुल पर हमला किया। इस पुल से ही रूसी सेना को सैन्य व अन्य आपूर्ति की जा रही थी। यह हमला सीमा पार से की गई घुसपैठ के दो सप्ताह से भी कम समय में हुआ है। इस हमले से रूसी आपूर्ति मार्ग बाधित हो गया है। पुल तबाह होने से रूस का युद्ध संचालन अभियान प्रभावित हो सकता है। यूक्रेन का कहना है कि वह उसके आपूर्ति मार्गों को बाधित करना चाहता है। ये हमला यूक्रेनी सीमा से 15 किलोमीटर दूर ज्वानोये गांव के पास किया गया। एयर फोर्स कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने कहा, एक और पुल को नष्ट कर दिया है, वायुसेना के विमान ने पुल पर सटीक निशाना लगाया। उन्होंने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है। एक रूसी ब्लॉगर्स ने भी तबाह हुए पुल की तस्वीरें साझा की हैं।

फिलीपींस ने चीन की दादागिरी का मुंहतोड़ जवाब दिया, जहाज को टक्कर मारकर किया डैमेज

ताइपेई (ईएमएस)। चीन अपनी सभी सीमाओं से लगे देशों को आए दिन परेशान करता है। उसकी विस्तारवादी नीति के चलते उसने तमाम देशों से पंगा ले रखा है। यही वजह है कि साउथ चाइना में चीन की दादागिरी की कोशिशों के खिलाफ अब कई देशों ने कमर कस ली है। अब उसको मुंहतोड़ जवाब मिलना शुरू भी हो गया है। चीन के कोस्टगार्ड ने आरोप लगाया कि फिलीपींस के एक जहाज ने सोमवार तड़के सबीना शोल के पास जानबूझकर एक चीनी जहाज टक्कर मार दी है। यह इलाका दक्षिण चीन सागर में कई देशों के बीच बढ़ते क्षेत्रीय विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है।

चीन के कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता गान यू ने कहा कि 'फिलीपीन पक्ष टक्कर के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम फिलीपीन पक्ष को चेतावनी देते हैं कि वह तुरंत अपनी उल्लंघन और उकसावे को रोके, अन्यथा उसे इससे पैदा होने वाले सभी नतीजे भुगतने होंगे।' गान यू ने कहा कि चीन ने स्प्रैटली द्वीप समूह पर निर्विवाद संप्रभुता का दावा किया है, जिसे चीनी भाषा में नांशा द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। जिसमें सबीना शोल और उसके आस-पास के समुद्र के इलाके शामिल हैं। सबीना शोल का चीनी नाम जियानबिन रीफ है।

गौरतलब है कि सबीना शोल फिलीपींस के पश्चिमी द्वीप प्रांत पलावन से लगभग 140 किलोमीटर (87 मील) पश्चिम में स्थित है। यह चीन और फिलीपींस के बीच इलाकों को लेकर विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है। अप्रैल में फिलीपींस के कोस्टगार्ड ने अपने एक प्रमुख गश्ती जहाज, बीआरपी टेरेसा मैगबानुआ को सबीना में तैनात किया था। उस वक्त फिलिपींस के वैज्ञानिकों ने इसके उथले पानी में कुचले हुए कोरल के डूबे हुए ढेर की खोज की थी। जिससे संदेह पैदा हुआ कि चीन यहां पर कुछ बनाने की तैयारी कर रहा है। चीनी कोस्टगार्ड ने भी बाद में सबीना में एक जहाज तैनात किया।

सबीना फिलीपींस के कब्जे वाले दूसरे थॉमस शोल के पास स्थित है। जो पिछले साल से चीनी और फिलीपींस के तट रक्षक जहाजों और उनके साथ आने वाले जहाजों के बीच बढ़ते हुए खतरनाक टकराव का गवाह रहा है। चीन और फिलीपींस ने पिछले महीने एक समझौता किया था, ताकि आगे के टकराव को रोका जा सके। फिलीपींस की नौसेना ने समझौते पर पहुंचने के एक हफ्ते बाद वहां खाना और सैनिकों को पहुंचाया।

ट्रंप के खिलाफ कमला हैरिस का बड़ा दांव- अमेर

प्रदेश की जेलों में बना भावुक दृश्य, बहनों ने बंदियों को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

(प्रतिनिधि)अहमदाबाद,19 अगस्त

भाई-बहन के पवित्र त्योहार रक्षाबंधन का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। यह त्यौहार भाई-बहन के प्यार का प्रतीक है। फिर आज (19 अगस्त) रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. उधर, अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल, सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल, राजकोट सेंट्रल जेल और वडोदरा सेंट्रल जेल में भी भाई बेन का पवित्र त्योहार मनाया गया। इस बीच जेलों में भावुक दृश्य देखने को मिला जहां बहनें कैदियों को राखी बांध रही थीं.

अहमदाबाद की साबरमती इंटरमीडिएट जेल में भी रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया. जेल में बंद कैदियों को उनकी बहनों से राखी बंधवाने के लिए जेल प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गयी थी. वर्षों से जेल में बंद कैदियों को राखी बांधने के लिए जब बहनें जेल पहुंचीं तो वहां भावुक दृश्य थे।

सूरत लाजपोर सेंट्रल जेल के अंदर आयोजित रक्षा बंधन समारोह के दौरान एक बेहद भावुक और दिल को छू लेने वाला दृश्य सामने आया। जब बहनों ने भाई को राखी बांधी तो दोनों भाई-बहन फूट-फूटकर रोने लगे। वहीं यह नजारा देख पुलिस बहनें भी रो पड़ीं.

साल 2023 में सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल ने सरकार से विशेष अनुमति लेकर पहली बार ऐसी व्यवस्था की कि जेल में कैदी एक-दूसरे से व्यक्तिगत रूप से मिलकर रक्षाबंधन मना सकें. इस साल भी इसी तरह की प्लानिंग की गई थी. जिसमें कच्चा-पका कामा जेल में बंद कैदियों की बहनों द्वारा आज जेल के अंदर विशेष रक्षाबंधन मनाया गया. अपने बंदी भाई से मिलने केबाद बहन ने जेल के अंदर ही उसकी कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर तथा मुंह में नमक लगाकर पवित्र त्योहार मनाया।

जामनगर की जिला जेल में रक्षाबंधन का त्योहार विशेष रूप से मनाया गया. जेल में बंद कैदी भाई स्वयं भी रक्षाबंधन का त्योहार मना सकें, इसके लिए जेल परिसर में विशेष व्यवस्था की गयी थी. जेल में बंद कैदी भाई जिनकी पारिवारिक बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर जेल परिसर में प्रवेश कराया गया था। जेल में बंद सभी भाइयों की बहनों ने अपने भाई के हाथ पर राखी बांधी और उनके जल्द जेल से रिहा होने की कामना की.

जेल में बंद भाइयों को गिरफ्तार करने के लिए बहनें सुबह-सुबह राजकोट सेंट्रल जेल पहुंच गईं। जब बहन अपने भाई को राखी बांधने पहुंची तो फूट-फूटकर रोने लगी। एक युवक ने अपने बच्चे को गोद में उठा लिया। वडोदरा सेंट्रल जेल में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया. जहां जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने के लिए बहनें सुबह-सुबह जेल पहुंच गईं। बहनों ने जेल में सजा काट रहे अपने व्हालसोया भाइयों को राखी बांधी। आज रक्षाबंधन के मौके पर 1500 से ज्यादा कैदियों को उनकी बहनों ने रक्षा सूत्र बांधे. कर्म के कारण जेल में बंद भाई की कलाई पर राखी बांधते समय भावुक दृश्य दिखे।

कॉलेज की 120 छात्राओं में बीएसएफ के जवानों को राखी बांध रक्षाबंधन पर्व मनाया

बनासकांठा (ईएमएस) करीब 120 छात्राओं ने भाई-बहन के पवित्र रिश्तों के पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर देश की सीमा की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों की कलाई में राखी बांधकर रक्षाबंधन त्यौहार मनाया बिनासकांठा जिले की धानेरा शहर स्थित सूर्योदय आर्ट्स एन्ड कॉमर्स कॉलेज की करीब 120 छात्राएं भारत पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्थित नडाबेट सीमा के जीरो पॉइंट पर पहुंची। जहां इन छात्राओं ने देश की सीमा की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधा हिंदू धर्म के लिए यह भाई-बहन के पवित्र रिश्तों को निभान दिन है सीमा पर तैनात इन जवानों को भी यह त्योहार अपनी बहनों के साथ मनाने की इच्छा होती है लेकिन देश की सुरक्षा के लिए ये जवान आज भी दुश्मनों के खिलाफ वर्दी में देश की सीमाओं पर तैनात हैं। ऐसे में बीएसएफ जवानों की आंखों में उस वक्त खुशी की आंसू छलक आए जब कॉलेज की छात्राओं ने उनके कलाई में रक्षा सूत्र बांधा अपने गृहनगर से मीलों दूर भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दिन-रात देश की रक्षा कर रहे बीएसएफ जवानों को राखी बांधकर कॉलेज की छात्राएं भी खुश हो कि उन्होंने देश के जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाया सभी छात्राएं एक थाली में कुमकुम, चावल, मिठाई और राखी लेकर बॉर्डर पर पहुंची थी और बीएसएफ के जवानों को राखी बांधी और उनका मुंह मिठा करवाकर भगवान से अपने भाई स्वरूप देश के जवानों की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की बीएसएफ के जवानों ने भी इन बहनों को अपनी बहन मानकर आशीर्वाद दिया

हार्ट अटैक से मां-बेटे की मौत, पुत्र की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई माता

सूरत (ईएमएस) पिछले काफी समय से दिल का दौरा पड़ने से मौत की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं खासकर गुजरात में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसमें चलते-फिरते व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई ऐसा ही एक और मामला सामने आया है सूरत जिले में एक और युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई है जानकारी के मुताबिक सूरत के आखाखोल गांव में 40 साल के एक युवक को उस वक्त अचानक दिल का दौरा पड़ा, जब वह मजदूरों से काम करवा रहा था। दिल का दौरा पड़ने के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां कुछ समय के इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई बेटे की मौत की खबर सुनकर मां सदमेमें आ गई और उसकी बाद माता मनुबेन बेलडिया की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई एक साथ मां-बेटे की हार्टअटैक से मौत होने से परिवार शोक में डूब गया

सोसायटी में साइकिल चला रही मासूम बच्ची को कार ने कुचला, घटनास्थल पर मौत

मेहसाणा (ईएमएस) मेहसाणा की एक सोसायटी से चौंकाने वाली घटना सामने आई है सोसायटी में साइकिल चला रही एक लड़की की कार की चपेट में आने से मौत हो गई। इस दिल दहला देने वाली घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया हैष बच्ची की अचानक मौत से परिवार समेत पूरे इलाके में मातम छा गया है सोसायटी में अकेले खेलने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए खतरे की घंटी जैसा यह मामला मेहसाणा की स्पर्श वीला सोसायटी का है। सोसायटी के सीसीटीवी फुटेज में 4 वर्षीय दिशा पटेल नामक एक मासूम बच्ची को सोसायटी के अंदर अकेले साइकिल चलाते हुए देखा जा सकता है इसी बीच सामने से एक कार आती है, जिसे देखकर दिशा घबरा जाती है और अपना संतुलन खो बैठती है और नीचे गिर जाती है वहीं लापरवाह ड्राइवर ने मासूम दिशा पर ध्यान नहीं दिया और समय रहते ब्रेक नहीं लगाई और कार दिशा के ऊपर से गुजर गई कार के नीचे आते ही दिशा कुचल गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटी की अचानक मौत से परिवार सदमे में है इस दुःखद घटना को लेकर स्थानीय लोगों में शोक व्याप्त है

कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर का भाजपा में गए कार्यकर्ताओं से घर वापसी का आह्वान

बनासकांठा (ईएमएस) बनासकांठा से कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा में शामिल होनेवाले अपने कार्यकर्ताओं से घर वापसी का आह्वान करते हुए कहा कि सुबह का भूला शाम घर लौट आए, उसे भूला नहीं कहते गेनीबेन ठाकोर ने बनासकांठा जिले की लाखणी तहसील के लालपुर गांव में आयोजित समारोह में कांग्रेस छोड़ गए कार्यकर्ताओं से घर लौटने की अपील की बता दें कि गुजरात में गेनीबेन ठाकोर कांग्रेस की एक मात्र सांसद हैं जिन्होंने भाजपा को लगातार तीसरी बार राज्य की सभी 26 सीटें जीतने के लक्ष्य पर पानी फेर दिया था हांलाकि भाजपा गुजरात की 26 में से 25 लोकसभा सीटें जीत लीं, लेकिन उत्तर गुजरात की बनासकांठा सीट पर उसे हार का सामना करना पड़ा लालपुर गांव में आयोजित सम्मान समारोह में गेनीबेन ठाकोर ने लाखणी तहसील पंचायत के पूर्व प्रमुख महेश दवे को कांग्रेस वापसी का आह्वान किया महेश दवे 2017 में भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए थे और उसके बाद 2023 में वापस भाजपा में लौट गए वाव विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले गेनीबेन ठाकोर ने कांग्रेस छोड़ गए सभी कार्यकर्ताओं से घर वापसी की अपील की साथ ही कहा कि सुबह का भूला अगर शाम को लौट आए तो उसे भूला नहीं कहते गेनीबेन ठाकोर वाव विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक थीं और उनके लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद यह सीट रिक्त हुई है आगामी समय में वाव विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना तय है और उससे पहले गेनीबेन ठाकोर ने कांग्रेस छोड़ने वाले कार्यकर्ताओं को घर वापसी कर वाव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया है

कारोबारी से 60.75 लाख की धोखाधड़ी

भुज,19 अगस्त

दुबई से यूरिया खाद मंगवाने वाले हरियाणा के कारोबारी के साथ 60.75 लाख की धोखाधड़ी की घटना के बाद कच्छ के मुंद्रा स्थित अडानी बंदरगाह पर काफी अफरा-तफरी मच गई है. लूट का शिकार हुए व्यापारी ने तकनीकी ग्रेड यूरिया के कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर अलग-अलग समय में 13.40 लाख हड़पने के बावजूद 47.35 लाख के माल की हेराफेरी की,

तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक ने श्री सली एस नायर को एमडी और सीईओ के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की

राष्ट्रीय, 19 अगस्त, 2024 - निजी क्षेत्र के प्रसिद्ध बैंकों में से एक तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक (टीएमबी) ने श्री सली एस नायर को मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर नियुक्त करने की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति बैंक में उनके कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्षों के लिए प्रभावी होगी।

अपनी नियुक्ति पर श्री सली ने कहा, ''तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक के लिए ऐसे महत्वपूर्ण समय में यह भूमिका निभाना मेरे लिए वाकई बड़े सम्मान की बात है। मैं अपने पूर्ववर्तियों द्वारा रखी गई मजबूत नींव पर निर्माण करने और बैंक की रणनीतिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए बोर्ड, प्रबंधन टीम और सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।''

श्री सली को बैंकिंग और वित्तीय सेवा उद्योग में 35 से अधिक वर्षों का व्यापक अनुभव है और उनका सफलता का एक प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड है। इस नियुक्ति से पहले,उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में उप प्रबंध निदेशक और मुख्य ऋण अधिकारी के रूप में कार्य किया।

श्री सली को स्ट्रेस्ड एसेट्स के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। उन्होंने जुलाई 2017 में बैंक के स्ट्रेस्ड एसेट्स वर्टिकल में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदभार संभाला, जहां वे पुनर्गठन/आईबीसी/समझौता/एआरसी बिक्री मार्ग के माध्यम से एनपीए को हल करने में लगे हुए थे।

नकली पासपोर्ट पर अमेरिका जा रहे 4 गुजराती तंजानिया से भारत डिपोर्ट किए गए

अहमदाबाद (ईएमएस) फर्जी भारतीय पासपोर्ट का उपयोग कर अमेरिका जाने की कोशिश करने के आरोप में चार गुजरातियों को तंजानिया से डिपोर्ट किया गया है। तंजानिया में इमिग्रेशन क्लीयरेंस के दौरान उनका पासपोर्ट फर्जी पाए जाने के बाद चारों लोगों को वापस भारत भेज दिया गया हैं इन चार लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई हैं तंजानिया से वापस भेजे गए लोगों में गीताबेन मानसिंह चौधरी, भारतीबेन जीवनभाई चौधरी, अंश गोविंदभाई चौधरी के अलावा उनके हैंडलर रमेश भजन ठाकुर शामिल हैं। इस संबंध में आव्रजन अधिकारियों द्वारा की गई जांच से पता चला कि गीता चौधरी, भारती चौधरी और अंश चौधरी ने अपने असली भारतीय पासपोर्ट पर तंजानिया तक यात्रा की थी। जिसके बाद चार लोगों को नकली पासपोर्ट पर यात्रा करनी थी। फिलहाल मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन चारों लोगों के पास दो पासपोर्ट कहां से आए? इन चारों गुजरातियों की गतिविधि संदिग्ध होने पर अधिकारी ने उनसे पूछताछ की बताया जाता है कि तीनों लोग अमेरिका में स्थायी रूप से बसना चाहते थे इन लोगों का सबसे पहले पुष्पाबेन व्यास नाम के एजेंट से संपर्क हुआ पुष्पाबेन ने उन्हें तंजानिया के रास्ते अमेरिका आने का रास्ता बताया था पुष्पाबेन ने ही हैंडलर रमेश ठाकुर को इन तीन लोगों के साथ अमेरिका आने के लिए कहा था। जांच में यह भी पता चला है कि गीताबेन को रंजना अनु चौहान के नाम से फर्जी पासपोर्ट दिया गया था भारतीबेन के पास कल्पनाबेन संजय पटेल के नाम से फर्जी पासपोर्ट था। जबकि अंश चौधरी के पास दिग्विजय संजय पटेल के नाम से फर्जी पासपोर्ट था इसमें फोटो तो आरोपियों के थे लेकिन नाम दूसरे लोगों के निकले।

रक्षाबंधन पर्व पर दो बहनों ने गंवाया अपना इकलौता भाई, हॉस्टेल में रहकर पढ़ाई कर रहा था

राजकोट (ईएमएस) भाई-बहन के पवित्र रिश्तों के पर्व रक्षाबंधन के मौके पर गोंडल से दिल को झकझोर देनेवाली घटना सामने आई है साल में एक बार आनेवाला रक्षाबंधन का दिन भाई-बहनों के लिए बेहद खास है बहन से अपनी कलाई पर राखी बंधवाकर भाई उसकी रक्षा करने का वादा करता है। लेकिन जब सुरक्षा करनेवाला भाई नहीं रह जाता है, तो एक बहन के लिए यह जीवन सबसे बड़ा दुःख होता है। गोंडल में रक्षाबंधन के मौके पर ही दो बहनों ने अपने इकलौते भाई गंवा दिया जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले के मालिया हाटिना का मूल निवासी श्याम पाठक गोंडल में कक्षा 12 की पढ़ाई कर रहा था और हॉस्टेल में रहता था श्याम पिछले चार दिनों से बीमार होने के बावजूद हॉस्टेल की ओर से इसकी जानकारी उसके परिवार को नहीं दी गई रक्षाबंधन के मौके पर अपने इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार पर मानों आसमान टूट पड़ा श्याम की मौत को लेकर पाठक परिवार ने हॉस्टेल प्रबंधक और डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाए हैं परिवार का कहना है कि आखिर पिछले चार दिनों से हॉस्टेबल प्रबंधन क्या कर रहा था? श्याम को न तो दवा दिलाने के लिए किसी अच्छी जगह ले जाया गया और न ही कोई इलाज कराया गया। यहां तक कि उसके माता-पिता को भी हॉस्टेल ने श्याम के बीमार होने की जानकारी नहीं दी। प्रबंधन उसे अस्पताल ले गया, जहां श्याम का आधे घंटे इलाज कर उसे छुट्टी दे दी गई परिवार का सवाल है कि क्या ऐसा कोई अस्पताल है जहां उन्हें आधे घंटे में बिना ठीक हुए छुट्टी दे दी गई हो? मृतक के परिजनों में जबर्दस्त आक्रोश है पाठक परिवार के मुताबिक इस मामले में अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए एक कसूरवार बचना नहीं चाहिए, चाहे वह डॉक्टर हो या हॉस्टेल प्रबंधक ताकि भविष्य में अन्य किसी बच्चे के साथ ऐसा ना हो परिवार का आरोप है कि हॉस्टल और डॉक्टर की लापरवाही से उनके बेटे की मौत हुई है श्याम पाठक की मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी

नई गाइड लाइन जारी होने तक गुजरात में सभी स्कूल पिकनिक बंद

(प्रतिनिधि)अहमदाबाद,19 अगस्त

पिछले साल जनवरी में गुजरात में स्कूल पिकनिक पर गए 12 बच्चे और दो शिक्षक घर नहीं लौटे. वडोदरा की हरणी झील में नाव पलटने से इन बच्चों की मौत हो गई. तब चर्चा का विषय था कि स्कूल पिकनिक या पिकनिक स्पॉट पर बच्चे और पर्यटक कितने सुरक्षित हैं। अब जब स्कूल इस साल दिवाली की छुट्टियों के बाद नवंबर-दिसंबर में पिकनिक का आयोजन कर रहे हैं तो सरकार ने इस पर ब्रेक लगा दिया है. सरकार ने एक सर्कुलर जारी कर नए आदेश या गाइडलाइन आने तक बच्चों को पिकनिक पर नहीं ले जाने का आदेश दिया है.

गुजरात में हरणी नाव हादसे के बाद शिक्षा विभाग शैक्षणिक दौरों को लेकर नई गाइडलाइन तैयार कर रहा है. इन नई गाइडलाइंस की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी और स्कूलों को इसमें बताए गए नियमों के मुताबिक शैक्षिक दौरे आयोजित करने होंगे। जब तक शिक्षा विभाग की ओर से नई गाइडलाइन की घोषणा नहीं की जाती तब तक यात्रा की मंजूरी नहीं दी जाएगी. इसलिए फिलहाल स्कूल शैक्षिक भ्रमण का आयोजन नहीं कर सकेंगे।

शैक्षणिक यात्रा के मामले में स्कूल आयुक्त कार्यालय ने राज्य के सभी जिला शिक्षा प्राधिकारियों को एक परिपत्र जारी किया है. जिसमें कहा गया है कि जिला स्तरीय कार्यालय के माध्यम से सरकारी, अनुदान सहायता और निजी स्कूलों को स्थानीय यात्रा की अनुमति दी जाती है। जब स्कूल आयुक्त के कार्यालय द्वारा राज्य से बाहर यात्रा को मंजूरी दी जाती है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के संबंधित प्रशासनिक विभागों द्वारा यात्रा के दौरान छात्रों की पूर्ण सुरक्षा के लिए मौजूदा नियमों-प्रावधानों के अनुसार संबंधित विभागों-आयु वर्ग के विषयों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत निर्देश दिए जाने हैं।

सागथिया की पत्नी, बेटे और भाई ने अग्रिम जमानत की मांग की

(प्रतिनिधि)राजकोट,19 अगस्त

अग्निकांड में शामिल राजकोट नगर निगम के टाउन प्लानिंग ऑफिसर मनसुख सगाथिया को गिरफ्तार कर लिया गया है और वह फिलहाल जेल में हैं. एसीबी ने आरोपी पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। हालांकि, इस बीच सगाथिया के परिवार ने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है. इसलिए इस मामले में उन लोगों की संलिप्तता सामने आ रही है.

राजकोट शहर में बनी टीआरपी. उन्हें आग दुर्घटना की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है और वर्तमान में गेमज़ोन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने और कर्तव्य में लापरवाही के लिए राजकोट सेंट्रल जेल में सलाखों के पीछे हैं। इस बीच मनसुख सगाथिया के परिवार वालों की ओर से अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की गई है. अर्जी पर 21तारीख को सुनवाई होगी.

आय से अधिक संपत्ति मामले कीजांच के लिए आरोपियों के परिजनों को बुलायागया है. परिवार पहले ही कोर्ट मेंअग्रिम जमानत की अर्जी लगा चुका है.मनसुखभाई सागथिया के खिलाफ रिश्वत विरोधी ब्यूरो द्वारा आय सेअधिक संपत्ति की जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान विभिन्न साक्ष्य जुटाने केबाद एसीबी ने जांच केअंतमेंसारीजानकारीदी।के एकवित्तीय सलाहकार द्वारा विश्लेषण किया गया था जांच के दौरान पता चला कि सागथिया ने अपनी कानूनी आय 2 करोड़ 57लाख 17हजार359 रुपये के अनुपात में अपने और अपने परिवार के नाम पर कुल 13 करोड़ 23 लाख 33 हजार 323 रुपये का निवेश और व्यय किया।

गुजरात में डेंगू के मामले बढ़े ,अहमदाबाद के अस्पताल डेंगू के मरीजों से भरे हुए हैं

अहमदाबाद,19 अगस्त

एक तरफ अहमदाबाद में बारिश न होने से गर्मी और ठंड बढ़ गई है तो दूसरी तरफ कभी-कभी बादल भी छा जाते हैं. इस प्रकार दोहरे मौसम के कारण बीमारी ने अपना मुँह खोल दिया है और अस्पताल रोगियों से भर गए हैं। चूँकि अहमदाबाद जिले के साथ-साथ अन्य जिलों से भी मरीज अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में आ रहे हैं, इसलिए यहां बड़ी संख्या में मरीजों का पंजीकरण किया जा रहा है। शहर के सोला सिविल में पिछले एक महीने में डेंगू के 325 मामले सामने आए हैं, जिनमें पिछले एक हफ्ते में 83 मामले शामिल हैं.

सूत्रों के मुताबिक, अहमदाबाद शहर के सोला सिविल में 15 से 21 जुलाई तक डेंगू के 29 मामले, 22 से 28 जुलाई तक 125 मामले, 29 जुलाई से 4 अगस्त तक 88 मामले और 5 से 11 अगस्त तक 83 मामले सामने आए हैं. जबकि इसी अवधि में डेंगू के 557 संदिग्ध मामले सामने आए।

वहीं, इस एक महीने की अवधि में मलेरिया के 66 मामले सामने आए हैं. इसमें पिछले सप्ताह के 23 मामले शामिल हैं। वहीं चिकनगुनिया के कुल तीन मामले सामने आए हैं. आने वाले दिनों में डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया के मामले बढ़ने की आशंका है।

शहर में वायरल संक्रमण, सर्दी-खांसी के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में वायरल संक्रमण के 1867 मामले सामने आए हैं. ऐसे में रोजाना 270 से ज्यादा मरीज वायरल संक्रमण के आ रहे हैं। पिछले एक महीने की इस अवधि में वायरल संक्रमण के 5537 मामले दर्ज किए गए हैं. इसके अलावा एक सप्ताह में डायरिया के 41 मामले, हेपेटाइटिस के सात मामले, टाइफाइड के छह मामले सामने आए हैं।

अहमदाबाद शहर में मच्छर जनित और जल जनित बीमारियों के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके चलते स्वास्थ्य विभाग सरकारी और निजी संपत्ति के अलावा निर्माण स्थलों पर मच्छरों के प्रकोप की जांच कर रहा है। इसके अलावा घर के आसपास पानी का निस्तारण करने और गंदगी जमा न होने देने के भी निर्देश दिए।

अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में इलाके की मुस्लिम महिलाओं ने राखी बांधकर मिठाई खिलाई

अहमदाबाद,19 अगस्त

गुजरात के अहमदाबाद शहर में कई सांप्रदायिक दंगे हुए हैं और दुर्भाग्य से दो समुदायों के बीच मनमुटाव अक्सर हिंसक रूप ले लेता है, लेकिन ऐसे में कई ऐसी घटनाएं घटती हैं जो जाति और धर्म की दीवार तोड़ कर मानवता लाती हैं. ऐसी ही एक घटना रक्षाबंधन के त्योहार पर भी घटी है. शहर का जगन्नाथ मंदिर, जहां से आषाढ़ी बीज के दिन भव्य रथयात्रा शुरू होती है, यहां के मुस्लिम इलाके जमालपुर में स्थित है। इस मंदिर के महंत दिलीपदासजी को आज मुस्लिम बहनों ने राखी बांधी और शुभकामनाएं दीं. हर साल यहां की मुस्लिम महिलाएं महंत को राखी बांधती हैं।

अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में मुस्लिम महिलाओं ने मंदिर के महंत को राखी बांधकर मिठाई भी खिलाई. हर साल जमालपुर और उसके आसपास की मुस्लिम महिलाएं महंत को राखी बांधती हैं, साथ ही उनके स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करती हैं, यह परंपरा आज नहीं है लेकिन हर साल रक्षाबंधन मनाया जाता है।

श्रीमद्भागवत में दी गई कथा के अनुसार, जब भगवान विष्णु ने बलिराजा से वरदान मांगा और उन्हें रसातल नामक रसातल में ले गए, तो बलि ने विष्णु को ऊपर जाने की अनुमति नहीं दी। उस समय लक्ष्मीजी ने बलिराजा को राखी बांधकर भाई बना लिया और विष्णु को मुक्त कर दिया। चूँकि यह बलिदान का त्योहार है इसलिए इसे बलेव भी कहा जाता है। गाँवों में आज भी इस त्यौहार को बलेव कहा जाता है। प्राचीन काल से ही रक्षा बंधन का दिन इसी प्रकार चला आ रहा है। और श्रीकृष्ण ने भी चीरहरण के अवसर पर द्रौपदी को लज्जित किया था। अभिमन्यु की रक्षा के लिए कुंता माता ने भी राखी बांधी थी। ये दोनों घटनाएँ महाभारत में घटित होती हैं।

मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर्व पर राज्य भर से आईं समाज के विभिन्न वर्गों की बहनों ने राखी बांधी

गांधीनगर (ईएमएस) अपार स्नेह और भावनाओं के अटूट बंधन की अभिव्यक्ति के पवित्र उत्सव रक्षाबंधन के पर्व पर सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राज्य भर से आईं बहनों-माताओं ने रक्षा कवच के रूप में राखी बांधी। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की सुश्री दीपिकाबेन के नेतृत्व और सहयोग से गांधीनगर स्थित मंत्रिमंडल निवास संकुल के सामुदायिक भवन में विशाल संख्या में उमड़ीं विभिन्न जिलों की मातृ शक्ति ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधी। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया, गांधीनगर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, महापौर मीराबेन तथा समाज के विभिन्न वर्गों की बहनों ने भूपेंद्र पटेल को राखी बांध रक्षा कवच प्रदान किया। नन्हीं बेटियों और दिव्यांग बहनों ने भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांध आदर भाव व्यक्त किया।

सूरत में दोपहर तक 10 हजार से ज्यादा महिला ओं ने सीटी और बीआरटीएस बसों में मुफ्त यात्रा की

सूरत,19 अगस्त

सूरत नगर निगम ने इस साल एक बार फिर सूरत की बहनों को रक्षा बंधन के उपहार के रूप में आज रक्षा बंधन के दिन मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की। 10,000 से ज्यादा महिलाओं और बच्चों ने इस बात का फायदा उठाया है कि आज रात 11 बजे तक पंद्रह साल तक के बच्चे भी मनपा की बीआरटीएस और सीटी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे. नगर पालिका ने मुफ्त यात्रा की घोषणा की है, महिलाओं को परेशानी होती है या नहीं और पैसा तो नहीं लिया जाता? यह जानने के लिए चेयरमैन ने औचक निरीक्षण किया।

सूरत नगर निगम सार्वजनिक परिवहन सेवा के तहत सूरत शहर और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को रियायती दरों पर बीआरटीएस और सीटी बस सुविधाएं प्रदान कर रहा है। शहर के नागरिकों द्वारा बस सेवा का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। जिससे यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है. सूरत शहर पूरे भारत में एकमात्र शहर है। जहां एक टिकट पर सिटीबस और बीआरटीएस में यात्रा की जा सकती है। वर्तमान में कुल 13 फीट बीआरटीएस और सिटीबस के कुल 45 मार्गों पर लगभग 2,00,000 नागरिक प्रतिदिन सार्वजनिक परिवहन सेवाओं से लाभान्वित होते हैं।

पिछले साल की तरह इस साल भी नगर निगम द्वारा संचालित सीटी और बीआरटीएस बसों में रक्षाबंधन के दिन महिलाओं और 15 साल तक के बच्चों के लिए मुफ्त यात्रा की घोषणा की गई है। जिसमें सुबह 6बजेसे रात 11-30 बजे तक बीआरटीएस बस में 6249 और सीटी बस में 3882, कुल 10131 महिलाओं और बच्चों ने मुफ्त यात्रा की।

समुद्र में पांच स्वयंभू शिवलिंग, ज्वार भाटे से शिवलिंग का अभिषेक

भावनगर (ईएमएस)। गुजरात के भावनगर स्थित समुद्री तट मे समुद्र के 1 किलोमीटर अंदर निष्कलंक महादेव का मंदिर अरब सागर में स्थित है। हजारों वर्ष से यह मंदिर पानी की लहरों के बीच में पूरी तरह से सुरक्षित है। श्रद्धालु जब लहरें उतार पर होती हैं। तब पानी पर चलकर मंदिर के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। मंदिर एक चबूतरे पर स्थित है।

यहां मान्यता है,समुद्र में पांच स्वयंभू शिवलिंग है। इनके साथ नंदी की भी स्थापना की गई है। समुद्र में जब ज्वार उठता है। तब मंदिर पूरी तरह से डूब जाते हैं। मंदिर की ध्वजा से मंदिर होने का एहसास होता है। जब समुद्र में लहरें उतार पर होती हैं। तब मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। श्रद्धालु मंदिर में पहुंचकर शिवलिंग के दर्शन करते हैं। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है, यह मंदिर हजारों साल पुराना है। इसके बाद भी इस मंदिर मैं कभी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह एक बड़ा रहस्य है।

टाटा एसेट मैनेजमेंट ने निफ्टी200 अल्फा 30 आधारित अल्फा आधारित निष्क्रिय निवेश रणनीति लॉन्च की

मुंबई, 19 अगस्त, 2024: टाटा एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने टाटा निफ्टी200 अल्फा 30 इंडेक्स फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। इसका लक्ष्य निफ्टी 200 इंडेक्स में उच्च अल्फा वाली शीर्ष 30 कंपनियों के प्रदर्शन की निगरानी करना है। अल्फा आधारित निष्क्रिय निवेश रणनीति का लक्ष्य मौजूदा बाजार रुझानों का लाभ उठाना है। यह बाजार की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों/शेयरों और कम प्रदर्शन करने वाले और खराब प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों/शेयरों में निवेश बढ़ाता है।

इस सूचकांक यानी इंडेक्स की कार्यप्रणाली ऐसी है कि यह जोखिम और अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए पोर्टफोलियो बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 200 द्वारा दिए गए अतिरिक्त रिटर्न को मापता है। उच्च अल्फा के आधार पर, फंड कम जोखिम वाले शेयरों में निवेश करता है जो समग्र बाजार रिटर्न की तुलना में अधिक रिटर्न प्रदान करते हैं। यह उन शेयरों को प्राथमिकता देता है जो जोखिम से आधारित रिटर्न देते हैं।

परिणामस्वरूप, तेजी के दौरान निफ्टी 200 अल्फा 30 इंडेक्स निफ्टी 200 जैसे मार्केट कैप भारित इंडेक्स की तुलना में अधिक रिटर्न देता है। हालाँकि, मंदी के दौरान निफ्टी 200 अल्फा 30 इंडेक्स निफ्टी 200 से कम प्रदर्शन कर सकता है।

इंडेक्स फंड के लॉन्च पर, टाटा एसेट मैनेजमेंट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, आनंद वरदराजन ने कहा, ''रणनीति का लक्ष्य उच्च अल्फा वाले शीर्ष 30 शेयरों का चयन करके निफ्टी 200 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करना है।यहहमारेउत्पादपोर्टफोलियो के निर्माण में हमारी एक और विशेषता है।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का सीएएमसी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (S&T) पश्चिम रेलवे, भावनगर निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं (1) **निविदा क्रमांक :** 17-2024:भावनगर मंडल : तीन साल की अवधि के लिएबोटाद-गांधीग्राम और ढसा-जेतलसर सेक्शन में 28 स्टेशनों के लिए मेघा के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी)। **अनुमानित लागत :** ₹9,02,42,317.07/- (रुपये नौ करोड़ दो लाख बयालीस हजार तीन सौ सत्रह एवं सात पैसे मात्र) बोली दाताओं को केवल www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा. अध